शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 186 | गुवाहाटी | गुरुवार, 6 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दिल्ली विस के लिए मतदान समाप्त, शाम 5 बजे तक 57.70 प्रतिशत हुआ वोटिंग — पेज 2

असम में प्रतिदिन हो रहा एक पुल और 15 किमी सड़क का निर्माण : मुख्यमंत्री — पेज 3

सरकार विकास भी-विरासत भी की अवधारणा के साथ कर रही काम : मुख्यमंत्री — पेज 5

राष्ट्रीय खेल : लॉन बॉल स्पर्धा के पांचवें दिन झारखंड का दबदबा... — पेज 7

एग्जिट पोल : दिल्ली में भाजपा की लहर, संकट में आप

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को मतदान के साथ ही चुनाव संपन्न हो गए। यहां विधानसभा की 70 सीटों पर कराए गए एक चरण में 5 बजे तक 57.70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद अलग-अलग सर्वे एजेंसियां कुछ ही देर में दिल्ली के लिए एग्जिट पोल के आंकड़े जारी कर दिए हैं। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कई पोलिंग एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स जारी कर दिए हैं। इनमें से अब तक जिन सात एग्जिट पोल्स का एलान हुआ है, उन सभी में भाजपा को बहुमत मिलता दिख रहा है। मैट्रिज के एग्जिट पोल के मुताबिक, आप को 32-37 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 35-40 सीट मिल सकती हैं।

उधर कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं जेवीसी के एग्जिट पोल के मुताबिक, आप को 22 से 31 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। भाजपा को 39-45 सीटें और कांग्रेस को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल कर सकती है। उधर चाणक्य के एग्जिट पोल के मुताबिक, भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा गदगद, आप का दावा अलग

नई दिल्ली। दिल्ली में 70 सीटों के लिए मतदान संपन्न होने के बाद अब एग्जिट पोल भी आने लगे हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा को बहुमत दिखाया गया है। इसके बाद भाजपा नेताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। भाजपा नेता यह दावा कर रहे हैं कि 8 तारीख को जब नतीजे आएंगे, वह भी हमारे पक्ष में ही होंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मैं दिल्ली की जनता को बधाई देना चाहता हूं, दिल्ली की जनता ने आज भाजपा को इतना प्यार और आशीर्वाद दिया है। दिल्ली में *आपदा* जा रही है और भाजपा आ रही है। सचदेवा ने यह भी कहा कि अगर कोई फर्जी वोटिंग करेगा तो पकड़ा जाएगा। हम पहले दिन से इस बारे में कह रहे हैं और यह अच्छा है कि वे पकड़े गए हैं। दिल्ली के लोग भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहते हैं और विकास चाहते हैं। एग्जिट पोल पर बोले भाजपा सांसद हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि भाजपा पिछले 10 वर्षों से आम आदमी पार्टी के भ्रष्ट चेहरे को उजागर कर रही है। जनता समझ गई है कि आप और अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ दिल्ली में -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिवेणी में डुबकी...

सनातन की शक्ति और विश्व कल्याण की आसक्ति में डूबे दिखे पीएम मोदी

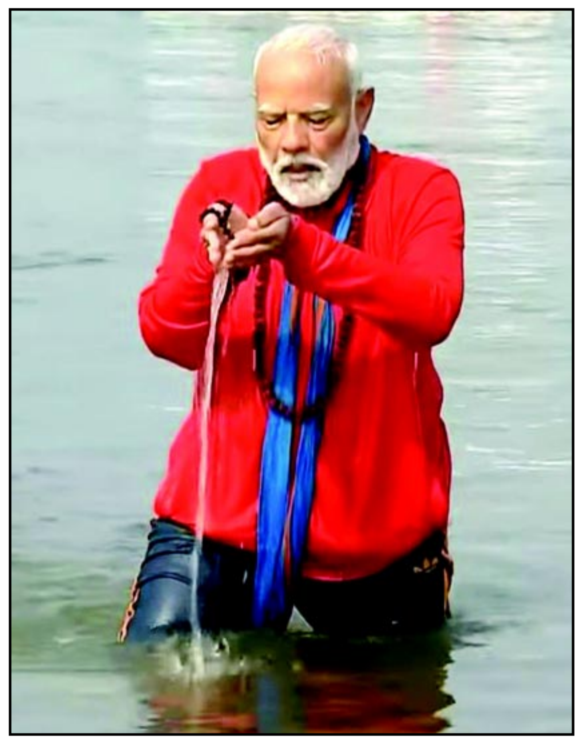

महाकुंभ नगर। गेरुआ वस्त्र, गले व हाथ में रुद्राक्ष की माला और अंजुलि भर-भर सूर्य को अर्घ्य। पावन गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब गंगा पूजन किया तो वह सनातन के धर्म ध्वजा वाहक के रूप में ही दिखाई दिए। संगम की धारा में डुबकी के तो कुछ ही क्षण थे, लेकिन तीर्थराज में पीएम मोदी पूरे समय मां गंगा की भक्ति, सनातन की शक्ति और विश्व -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

एडवांटेज असम 2.0 से पहले सीएम ने गुवाहाटी हवाई अड्डे पर प्रमुख उन्नयन का अनावरण किया

गुवाहाटी। 25-26 फरवरी को होने वाले बहुप्रतीक्षित एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन में अब केवल कुछ ही दिन शेष रह गए हैं, ऐसे में सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है कि अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू मेहमानों को उनकी यात्रा के दौरान एक सहज अनुभव मिले। बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एलजीबीआईए) में कई प्रमुख उन्नयन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद शर्मा ने कहा कि ये परिवर्तन पिछले दो महीनों में योजनाबद्ध और कार्यान्वित किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एडवांटेज असम 2.0 में भाग लेने वाले मेहमानों को गुवाहाटी हवाई अड्डे पर सुखद अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि एलजीबीआईए सिर्फ असम और पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार नहीं है; भविष्य में यह दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार होगा। हवाई अड्डे के चल रहे विकास के हिस्से के रूप में, शर्मा ने नए टर्मिनल के तीसरे चरण के निर्माण पर भी अद्यतन जानकारी दी, जिसका उद्घाटन इस वर्ष के अंत में किया जाना है। मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में सकारात्मक गति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें सितंबर-अक्तूबर के -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व मंत्री रकीबुल हुसैन के नेतृत्व में कथित पर्यटन विभाग घोटाले की जांच शुरू

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ ने 2010-11 के दौरान असम के पर्यटन विभाग में नियुक्तियों से संबंधित एक कथित घोटाले की जांच शुरू की है, जब रकीबुल हुसैन पर्यटन मंत्री थे। यह जांच एक सरकारी कर्मचारी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के बाद की गई है, जिसमें विभाग में अवैध नियुक्तियों का आरोप लगाया गया है। माना जाता है कि इन नियुक्तियों को प्राप्त करने वालों से जांच के हिस्से के रूप में पूछताछ की -शेष पृष्ठ दो पर

24 को गुवाहाटी आएंगे प्रधानमंत्री, 25 को एडवांटेज असम 2.0 में होंगे शामिल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 24 फरवरी को अपने दो दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचेंगे। यह जानकारी बुधवार को मुख्यमंत्री ने डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने यहां पत्रकारों को दी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री 24 फरवरी की शाम 5 बजे गुवाहाटी पहुंचेंगे। गुवाहाटी के सोरुसजाई स्टेडियम में आयोजित होने वाले सामूहिक झूमर नृत्य के आयोजन में प्रधानमंत्री शामिल होंगे। बिहू के बाद झूमर नृत्य को भी गिनीज बुक आफ रिकार्ड में दर्ज कराने की तैयारी असम सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री दूसरे दिन यानी 25 फरवरी को दिन के 11.30 से 01.30 बजे तक एडवांटेज असम 2.0 के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने बताया कि उन्होंने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ कई परियोजनाओं पर चर्चा की है। जिसमें काजीरंगा एलिवेडेट कॉरिडोर परियोजना पर भी बातचीत हुई है। साथ ही जोरहाट-डिब्रूगढ़ के बीच चार लेन युक्त मार्ग के साथ ही माजुली-जोरहाट पुल के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

तुम किसी को दोष मत दो। अगर तुम अपने हाथ आगे बढ़ा कर किसी की मदद कर सकते हो तो करो, अगर नहीं कर सकते हो तो अपने हाथ बांधकर खड़े रहो। अपने वालों को शुभकामनाएं दो और उन्हें उनके रास्ते जाने दो..। आप दोष देने वाले कोई नहीं होते है।

- स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

हिंदू शरणार्थियों ने पहली बार किया मतदान, सीएए के तहत मिली थी नागरिकता

नई दिल्ली। दिल्ली के मजनू का टीला में एक मतदान केंद्र पर रेशमा ने बुधवार को गर्व की भावना के साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का बटन दबाया और उनके चेहरे पर मुस्कान फैल गई। 50 वर्षीय महिला ने अपने जीवन में पहली बार सिर्फ एक उम्मीदवार चुनने के लिए नहीं, बल्कि अपने परिवार के भविष्य के लिए वोट डाला। रेशमा उन 186 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों में से एक हैं, जिन्होंने वर्षों की अनिश्चितता के बाद, दिल्ली विधानसभा चुनावों में पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो राज्यविहीनता से नागरिकता तक की उनकी यात्रा में एक शक्तिशाली क्षण था। इन सभी को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के तहत भारतीय नागरिकता मिल गई। पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी -शेष पृष्ठ दो पर

प्रतिबंधित संगठनों के साथ समझौतों से राज्य में आई शांति : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा देश के अन्य हिस्सों से पूरी तरह से जुड़ गया है। प्रतिबंधित संगठनों के साथ समझौतों से इस पूर्वोत्तर राज्य में शांति एवं समृद्धि आई है। शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अगरतला में त्रिपुरा सरकार के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने पिछले सात वर्षों में कांग्रेस एवं वाममोर्चा के कई दशकों के शासन की तुलना में अधिक उपलब्धियां हासिल की हैं। पिछले 10 वर्षों में प्रतिबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

जनविश्वास बिल 2.0 ला रही है सरकार सौ से अधिक प्रविधान होंगे खत्म

नई दिल्ली। मैन्यूफैक्चरिंग व अन्य प्रकार के कारोबार को आसान बनाने के लिए सरकार जल्द ही जन विश्वास बिल 2.0 को संसद में पेश कर सकती है। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के मुताबिक जन विश्वास बिल के तहत 100 से अधिक प्रविधानों को समाप्त किया जाएगा। 11 से अधिक मंत्रालयों के साथ मिलकर जन विश्वास बिल 2.0 तैयार किया जा रहा है। इन सभी मंत्रालयों से जुड़े कई नियमों को समाप्त किया जाएगा। इनमें मोटर वाहन कानून के प्रविधान भी शामिल है। इससे पहले के जनविश्वास बिल के तहत 183 प्रविधानों को समाप्त किया गया। मैन्यूफैक्चरिंग के प्रोत्साहन के लिए सरकार औद्योगिक यूनिट के निरीक्षण का तरीका भी बदलने जा रही है। गत एक फरवरी को पेश बजट में औद्योगिक सहूलियत -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के साथ रिश्ते बेहतर करने की पहल

अगरतला उच्चायोग में फिर वीजा सेवा शुरू करेगा बांग्लादेश

अगरतला। बांग्लादेश ने भारत के साथ रिश्ते बेहतर करने की पहल की है। बांग्लादेश आज से अगरतला उच्चायोग में एक बार फिर वीजा और कॉन्सुलर सेवाएं शुरू करेगा। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग ने यह एलान किया। बांग्लादेश सहायक उच्चायोग ने तीन दिसंबर 2024 को अपनी सेवाएं निलंबित कर दी थीं। यह निलंबन हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की ढाका में गिरफ्तारी -शेष पृष्ठ दो पर

डंकी रूट से अमेरिका गए 104 भारतीयों की वापसी, 13 बच्चे भी शामिल

अमृतसर। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय प्रवासियों का पहला जत्था बुधवार दोपहर 1:59 बजे अमेरिकी सैन्य विमान सी-147 से अमृतसर एयरपोर्ट पर पहुंचा। इस विमान में 104 भारतीय नागरिक सवार थे, जिनमें 13 बच्चे, 79 पुरुष और 25 महिलाएं शामिल हैं। अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। वापस लाए गए प्रवासियों में पंजाब से 30, हरियाणा से 33, गुजरात से 33, महाराष्ट्र से 3, उत्तर प्रदेश से 3 और चंडीगढ़ से 2 लोग शामिल हैं। इनमें से गुजरात के 33 लोगों को अमृतसर एयरपोर्ट से ही सीधे गुजरात भेजा जाएगा। इन प्रवासियों को मेक्सिको-अमेरिका सीमा पर पकड़ा गया था। जानकारी के अनुसार, ये सभी कानूनी रूप से भारत से रवाना हुए थे लेकिन *डंकी* रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, भारत पहुंचने पर इनकी गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं है, क्योंकि इन्होंने भारतीय कानूनों का उल्लंघन नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अब तक का -शेष पृष्ठ दो पर

हमास ने गाजा पर कब्जे को लेकर ट्रंप का बयान किया खारिज

गाजा सीटि। फिलीस्तीनियों को गाजा से निकालकर किसी अन्य जगह फिर से बसाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता नजर आ रहा है, जो अब भी इजराइल-हमास युद्ध से प्रभावित है। कतर से पूरे अरब में प्रसारण करने वाला समाचार चैनल *अल जजीरा* ने ट्रंप की टिप्पणियों को *अप्रत्याशित घोषणा* करार दिया। अल जजीरा संघर्ष विराम के लिए एक प्रमुख वार्ताकार रहा है। हमास ने कहा कि वह ट्रंप के इस सुझाव को खारिज -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश हाईकोर्ट ने यूनुस सरकार पर दिखाई सख्ती, पूछा-

हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत क्यों न दें ?

ढाका। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और सरकार से यह स्पष्टीकरण मांगा है कि चिन्मय कृष्ण दास को जमानत क्यों नहीं दी जानी चाहिए। यह जानकारी दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कोर्ट में दी। चिन्मय कृष्ण दास, जो बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता हैं, को राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का आरोप लगा था। इस मामले में बांग्लादेश हाईकोर्ट ने सरकार से दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर 2024 को ढाका हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद, उन्होंने चटगांव की एक निचली अदालत में जमानत याचिका दायर की, जिसे 2 जनवरी 2025 को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद, दास की कानूनी टीम ने हाईकोर्ट में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दिल्ली विस के लिए मतदान समाप्त, शाम 5 बजे तक 57.70 प्रतिशत हुआ वोटिंग

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सुबह 7 बजे से जारी मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया। हालांकि कुछ मतदान केंद्रों में कतार के कारण मतदान अभी जारी है। दिल्ली में शाम 5 बजे तक औसतन 57.70 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोकसभा चुनावों के दौरान दिल्ली में 58.78 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक दिल्ली के विभिन्न जिलों में मतदान का प्रतिशत अलग-अलग रहा है। केंद्रीय दिल्ली में 55.24, पूर्वी दिल्ली 58.98, नई दिल्ली 54.37, उत्तरी दिल्ली 57.24, उत्तर पूर्वी दिल्ली 63.83, उत्तर पश्चिमी दिल्ली 58.05, शाहदरा 61.35, दक्षिणी दिल्ली 55.72, दक्षिण पूर्वी 53.77, दक्षिण पश्चिमी 58.86, पश्चिमी दिल्ली 57.42 प्रतिशत मतदान हुआ है। मुस्तफाबाद सीट के लिए अपराह्न पांच बजे तक सबसे अधिक मतदान 66.68 प्रतिशत हुआ। इसके बाद सीलमपुर में 66.41 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे कम मतदान करोल बाग 47.40 मॉडल टाउन में 51.29, कालकाजी में 51.81 और चांदनी चौक 52.76 प्रतिशत हुआ। कई सीटों पर मतदान 60 प्रतिशत से ज्यादा पहुंच गया है। इसमें मटिया महल, त्रिलोकपुरी, नरेला, रोहणी, बादली, गोकुलपुर, करावलनगर, किरारी, मंगोलपुरी, बाबरपुर, रोहतासनगर, सीमापुरी, शादरा, छत्तरपुर, और नजफगढ़ सीट शामिल है। राष्ट्रीय राजधानी में निवास करने वाले महत्वपूर्ण हस्तियों ने भी मतदान किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति एस्टेट में स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में बने केंद्र पर मतदान किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नॉर्थ एवेन्यू, पोलिंग बूथ पर लाइन में लगकर मतदान किया। मतदान के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मतदान लोकतंत्र के लिए ऑक्सीजन के समान है। यह हमारे लोकतंत्र का स्तंभ भी है। यह सभी अधिकारों की जननी है और इससे बड़ा अधिकार कोई नहीं है। हर व्यक्ति को अपनी समझ, स्वतंत्रता और राष्ट्रीय हितों का ध्यान में रखते हुए मतदान अवश्य करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भी निर्माण भवन में बने केंद्र पर मतदान किया। मणिपुर के राज्यपाल और पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने अपनी पत्नी के साथ निर्माण भवन में स्थित मतदान केंद्र पर मतदान किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपने पति रॉबर्ट वाड्रा और बेटे के साथ अटल आदर्श विद्यालय, लोदी स्टेट में मतदान किया। मतदान केंद्र से निकलने के बाद प्रियंका गांधी ने कहा कि लोगों को घर से बाहर निकल कर अधिक से अधिक संख्या में मतदान करना चाहिए। यह उनका सबसे बड़ा अधिकार है। दिल्ली के लोगों में बहुत उत्साह है। वे पानी, प्रदूषण और सड़क के मुद्दे पर बात रख रहे हैं। अगर वह इसका समाधान चाहते हैं तो मतदान करें। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, माता-पिता और बच्चों के साथ लेडी इरविन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मतदान किया। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने एनडीएमसी के साइंस और ह्यूमैनिटी, तुगलक क्रीसेंट में मतदान किया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता बृंदा करात व प्रकाश करात ने मतदान किया।

बीएसएफ का कमांडरों को आदेश, कहा-

सीमा पर बांग्लादेशियों के अवैध निर्माण को रोकने के लिए उठाएं कड़े कदम

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अपने क्षेत्रीय कमांडरों को आदेश दिया कि वह भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बांग्लादेशियों की ओर से किए जा रहे अवैध निर्माण को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करें। बीएसएफ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 2024 में भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध निर्माण की करीब 80 घटनाएं सामने आईं। बीएसएफ के उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने 31 जनवरी को एक बयान जारी किया था, जिसमें बताया गया था कि हाल के समय में इसके क्षेत्राधिकार में अवैध निर्माण की घटनाएं बढ़ी हैं। उत्तर बंगाल फ्रंटियर 932 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा करता है और इसका मुख्यालय पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में है। फ्रंटियर ने बुधवार को एक ताजा बयान में बताया कि 4-5 फरवरी की रात को बांग्लादेशी अपराधियों के एक समूह ने अवैध रूप से भारत के दक्षिण दिनाजपुर जिले के मिलकपुर सीमा गांव में प्रवेश किया और बीएसएफ की एक पार्टी पर हमला किया। इस हमले में एक जवान और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हुए। ये अपराधी तस्करी और डकैती के मकसद से सीमा पार आए थे। उत्तर बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने बताया गया कि हमलावरों को रोकने के लिए बीएसएफ ने गैर-घातक गोलियां चलाईं, लेकिन वे अपनी आक्रामकता को जारी रखते हुए बीएसएफ पार्टी को घेरने का प्रयास कर रहे थे।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

Apollo HOSPITALS

PLASTIC & COSMETIC SURGEON
Dr K Leela Praveen Kumar, MS(Gen Surgery), M.Ch (Plastic Surgery), PGDHHM
only for consultation at Guwahati
on 16th February, 2025

Patients requiring surgery for breast reduction, nose deformities, birth defects, hand surgery, burn injury, cleft lip & facial correction, scar correction and similar problems.

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph : 8404037649, 0361-3102166, 0361-3102669

बीटीआर परिषद चुनाव

यूपीपीएल का *बूथ चलो* अभियान

कोकराझाड़ (हिंस)। बीटीआर की सत्ताधारी पार्टी यूपीपीएल ने संगठन को मजबूत करने और मतदाताओं के करीब पहुंचने के लिए *बूथ चलो* अभियान शुरू किया है। इसके तहत पर्वतझोरा परिषद क्षेत्र के कुल 93 बूथों में केंद्रीय और जिला समिति के नेताओं ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं से संवाद किया। यूपीपीएल की पर्वतझोरा जिला समिति के महासचिव सलीम अहमद खान ने पत्रकारों से बातचीत में बीपीएफ प्रमुख हग्रामा महिलारी पर तानाशाही और एकाधिकारवादी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसी कारण बीपीएफ के वरिष्ठ नेता एक-एक कर पार्टी छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं।

तिरुपति मंदिर से 18 गैर हिंदू कर्मचारियों की छुट्टी

नई दिल्ली। तिरुपति मंदिर के शासी निकाय तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन सभी को ट्रांसफर लेने या वॉलेंट्री रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) लेने के लिए कहा गया है। बोर्ड ने कहा कि यह निर्णय अपने मंदिरों और धार्मिक गतिविधियों की आध्यात्मिक पवित्रता को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। टीटीडी के त्योहारों और अनुष्ठानों में भाग लेने के साथ-साथ गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में कथित रूप से भाग लेने वाले 18 कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। आदेश में लिखा है कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर की पवित्रता के लिए इन कर्मचारियों को हटाने का फैसला किया गया है। टीटीडी बोर्ड ने हाल ही में ऐसे कर्मचारियों को या तो सरकारी विभागों में ट्रांसफर करने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के माध्यम से उन्हें बाहर निकालने का संकल्प लिया है। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि मंदिर की पवित्रता को ध्यान में रखकर ही यह कदम उठाया गया है। टीटीडी बोर्ड ने इन कर्मचारियों को या तो सरकारी विभागों में ट्रांसफर करने या वीआरएस के माध्यम से उनके बाहर निकालने का संकल्प लिया है। इससे पहले नवंबर 2024 में टीटीडी बोर्ड ने एक और प्रस्ताव भी पारित किया था, जिसके तहत बोर्ड द्वारा नियोजित गैर-हिंदुओं को या तो स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेनी होगी या आंध्र प्रदेश में अन्य सरकारी विभागों में स्थानांतरण का विकल्प चुनना होगा। टीटीडी के अध्यक्ष ने कहा कि मैंने कल बोर्ड में प्रस्ताव पेश किया। बोर्ड ने सर्वसम्मति से इसे स्वीकार कर लिया है। हमने कुछ लोगों (टीटीडी के कर्मचारी) की पहचान की है, जो गैर-हिंदू हैं... मैं उन लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहता था और उनसे वीआरएस लेने का अनुरोध करूंगा। अगर वे इच्छुक नहीं हैं, तो हम उन्हें राजस्व या नगर पालिका या किसी निगम जैसे अन्य सरकारी विभागों में स्थानांतरित कर देंगे। बोर्ड ने तिरुमाला के भीतर राजनीतिक बयानों पर रोक लगाने वाला एक प्रस्ताव भी पारित किया है।

No.GDBA-58/WPT & BC/2012-2013/126 *Dated-Gossaigaon the 1st Feb./2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tender are invited in F-2 Form for the works shown below from the intending Registered Contractor of class-I and class-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads & Building) & PHE with affixing Non-refundable court fee of Rs.8.25 (Rupees Eight and paise twenty five) only in a prescribed Form under Award of **WPT & BC fund** for the year 2024-25. The Tender will be received on **22-02-2025** upto 1:00 PM in the Office of the undersigned and will be opened on same day at 1:30 PM in the Office of the undersigned and C.S. will be submitted to the The Addl. Director cum CHD Tribal Affairs (P) BTC, Kokrajhar for approval.

Sl. No	Name of work	Estimated amount	Bid Security	Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx.)	Time of completion
1.	Const. of RCC slab culvert at Hakma village near Shiv Mandir under WPT & BC fund for the year 2024-25	Rs. 10,00,000/-	Rs.10,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.20,000/- @ 2% for General	Rs.300/-	6(six) Months from the date of issue of work order

The Terms and Condition details may be seen at Notice Board in the Office of the Block Development Officer, Gossaigaon Development Block from **01-02-2025 to 22-02-2025** upto 1:00 PM.

Sd/-Block Development Officer,
Gossaigaon Development Block,
Gossaigaon.

IPR(BTC)/C/2024-25/1432

पृष्ठ एक का शेष

एग्जिट पोल : दिल्ली ...

को 39 से 44 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा खुद बहुमत हासिल कर सकती है। वहीं आप को 25-28 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को 2-3 सीटें मिलने की संभावना है। दूसरी ओर पी-मार्क पोलिंग एजेंसी के आंकड़ों की मानें तो भाजपा आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार कर सकती है। पार्टी यहां 39-49 सीटें पा सकती है। दूसरी तरफ आप को 21 से 31 सीटें मिलती दिख रही हैं। कांग्रेस को इसमें 0-1 सीट मिल सकती है। उधर वी-प्रीसाइड पहला एग्जिट पोल है, जिसमें आम आदमी पार्टी की सरकार बचती दिख रही है। वी प्रीसाइड ने आप को 46-52 सीटें दी हैं। वहीं, भाजपा को 18-23 सीट जीतते दिखाया है। इस एग्जिट पोल में भी कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई। इसके अलावा माइंड ब्रिक ने आप को 44-49 सीट के अनुमान के साथ सरकार बचाते दिखाया है। भाजपा को 21-25 सीट और कांग्रेस को 0-1 सीट का अनुमान लगाया गया है। डीवी रिसर्च ने भाजपा के 36-44 सीट जीतकर सरकार में आने की संभावना जताई है। इस एग्जिट पोल में आप को 26-34 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। वहीं कांग्रेस का खाता नहीं खुलने का अनुमान है। एसएस के एग्जिट पोल में भाजपा 38-41 सीटों का अनुमान लगाया गया है। इसमें आप को 27-30 सीटें और कांग्रेस को 1-3 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। इनके लिए 699 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां 5 फरवरी 2025 को सभी सीटों पर एक ही चरण में मतदान कराया गया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के संदीप दीक्षित और भाजपा के प्रवेश वर्मा भी इसी सीट से उम्मीदवार हैं। दूसरी तरफ मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी मर्लेना पिछली बार की तरह ही इस बार भी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। इसी सीट पर भाजपा से उन्हें रमेश बिधूड़ी टक्कर दे रहे हैं।

भाजपा गदगद, आप ...

सरकार बनाएगी। चूंकि वे (आप) चुनाव हार रहे हैं, इसलिए वे अब ईवीएम को दोष देंगे। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि अभी जो एग्जिट पोल मैंने देखे, मुझे ऐसा लग रहा है कि हमारे सटीक पोल (नतीजे) एग्जिट पोल से बेहतर होंगे। हमने लोगों के बीच जो प्रतिक्रिया देखी, उससे पता चलता है कि भाजपा (दिल्ली में) सत्ता में आ रही है। यह भाजपा की घर वापसी है। मैं दिल्ली के लोगों को धन्यवाद देता हूं। नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने कहा कि यह तय है कि 8 फरवरी को कमल खिलेगा। हम दिल्ली में सुशासन, स्वच्छ यमुना और रोजगार देंगे। अरविंद केजरीवाल को भरोसा है कि वह हार रहे हैं। एग्जिट पोल के अनुसार ग्रेटर कैलाश विधानसभा से आप उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमने दिल्ली के तीन चुनाव लड़े हैं और यह चौथा विधानसभा चुनाव है जो हम लड़ रहे हैं। 2013, 2015 के एग्जिट पोल में दिखाया गया था कि हम हारेंगे और 2020 में एग्जिट पोल में दिखाया गया कि हमें कम नंबर मिलेंगे। उसी तरह 2025 में भी यह दिखाया जा रहा है कि हमें कम सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एग्जिट पोल में हमेशा यही दिखाया गया है कि आप को कम वोट मिलेंगे। भाजपा हमेशा आम लोगों की आवाज दबाती है ताकि वे डर के मारे कुछ न बोलें। आप का वोट शेयर हमेशा एग्जिट पोल में दिखाए गए वोट से ज्यादा आता है। आप नेता सुशील गुप्ता ने कहा कि यह हमारा चौथा चुनाव है और हर बार एग्जिट पोल में आप को दिल्ली में सरकार बनाते नहीं दिखाया गया। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के लिए काम किया है। हम आम आदमी पार्टी के पक्ष में नतीजे देखेंगे और हम सरकार बनाएंगे।

पूर्व मंत्री रकीबुल...

जाएगी। यह मुद्दा, जो कुछ समय से गौहाटी उच्च न्यायालय में लंबित था, ने अदालत को भर्ती प्रक्रिया में कुछ अनियमितताओं को मान्यता दी है। रकीबुल हुसैन, जो वर्तमान में धुबरी से सांसद हैं, कथित घोटाले में उनकी संलिप्तता के कारण जांच के दायरे में आ गए हैं, कथित तौर पर पर्यटन मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान दस से अधिक नियुक्तियाँ अवैध रूप से की गई थीं। चल रही जांच के हिस्से के रूप में, अवैध रूप से नौकरी हासिल करने के संदिग्ध सभी व्यक्तियों से सतर्कता प्रकोष्ठ को अपने दस्तावेज जमा करने के लिए कहा जाएगा। जांच का उद्देश्य अनियमितताओं की पूरी सीमा को उजागर करना और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराना है। मुख्यमंत्री की सतर्कता टीम द्वारा मामले की सक्रियता से जांच किए जाने के साथ ही कथित घोटाले के संबंध में आगे और भी खुलासे होने की उम्मीद है।

सनातन की शक्ति ...

कल्याण की आसक्ति में डूबे दिखे। संगम तट पर पुण्य स्नान करते देश के विभिन्न राज्यों व परंपराओं के श्रद्धालु और कुछ ही दूरी पर उनके सामने प्रधानमंत्री जब वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्नान-पूजन कर रहे थे तो जैसे यह दृश्य एक भारत-श्रेष्ठ भारत के भाव को ही साकार कर रहा हो। अपने इन भावों को पीएम ने एक्स पर पोस्ट लिखकर शब्दों में भी व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि प्रयागराज में महाकुंभ में आकर धन्य हुआ। संगम पर स्नान दिव्य जुड़ाव का क्षण है और इसमें भाग लेने वाले करोड़ों अन्य लोगों की तरह मैं भी भक्ति की भावना से भर गया। गुप्त नवरात्रि की अष्टमी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक-सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मोटर बोट में बैठकर त्रिवेणी की धारा पर बनी जेटी पर पहुंचे। संगम में डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना की। जल धारा में उतरने से पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, सूर्य को अर्घ्य दिया और फिर तर्पण भी किया। उनके गले और हाथ में रुद्राक्ष की माला थी, जिसका जाप वह स्नान के समय करते दिखाई दिए। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन किया। काले कुर्ते, भगवा पटके व हिमाचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। माथे पर त्रिपुंड लगाए प्रधानमंत्री संगम नोज की ओर मोटर बोट से गए। तट पर स्नान पर कर रहे लाखों श्रद्धालुओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। परस्पर आदर-प्रेम भाव जन समूह की ओर से भी दिखा। प्रयागराज में लगभग दो घंटे तक रहे पीएम मोदी भक्ति भाव में तो थे ही, उनकी भाव-भंगिमा भी कुछ गंभीर थी। उन्होंने अपना कार्यक्रम इस तरह रखा कि आम श्रद्धालुओं को उनकी वजह से कोई भी परेशानी न हो। ऐसा हुआ भी, श्रद्धालु सामने के घाट पर स्नान करते और प्रधानमंत्री संगम की धारा में। चूंकि गुप्त नवरात्रि की अष्टमी को तर्पण-श्राद्ध का भी महत्व माना जाता है तो माना जा रहा है कि संभवत: पीएम ने पूर्वजों के लिए तर्पण करने के साथ ही मौनी अमावस्या की पूर्व संध्या पर भगदड़ में प्राण गंवाने वाले श्रद्धालुओं को भी श्रद्धांजलि अर्पित की होगी।

एडवांटेज असम 2.0 ...

आसपास नए टर्मिनल के तीसरे भाग का उद्घाटन करने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि नए टर्मिनल के बाद एलजीबीआईए 13 मिलियन यात्रियों की मेजबानी कर सकेगा, जो वर्तमान क्षमता से चार गुना अधिक है। हवाई अड्डे के उन्नयन के अलावा, शर्मा ने एक अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना - गुवाहाटी रिंग रोड पर प्रगति की जानकारी साझा की। शर्मा ने कहा कि रिंग रोड परियोजना के लिए निविदा को अंतिम रूप दे दिया गया है और अगले महीने काम शुरू होने की उम्मीद है। हमने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ बैठक की ताकि यह आकलन किया जा सके कि परियोजना योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है या नहीं। अपनी हालिया दिल्ली यात्रा पर विचार करते हुए शर्मा ने बताया कि उन्होंने असम के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मैंने मंत्री गडकरी के साथ काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर, गोहपुर-नुमालीगढ़ अंडरवाटर टनल और माजुली-जोरहाट पुल की निविदा समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जोरहाट और डिब्रूगढ़ को जोड़ने वाले राजमार्ग की प्रगति की भी समीक्षा की। शर्मा ने आगे बताया कि वह प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के यात्रा कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली आए थे, जो एडवांटेज असम 2.0 सम्मेलन में भाग लेंगे। शर्मा ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री 24 फरवरी की शाम को झुमूर प्रदर्शन देखने के लिए गुवाहाटी पहुंचेंगे। 25 फरवरी को वह सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक एडवांटेज असम कॉन्क्लेव में भाग लेंगे। मैं प्रधानमंत्री और अन्य केंद्रीय मंत्रियों के दौरे के समय और कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली में था। यात्री सुविधा बढ़ाने और हवाई अड्डे के परिचालन को सुचारू बनाने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा ने निम्नलिखित उन्नयन की घोषणा की: सामने के प्लेटफॉर्म का क्षेत्रफल 270 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 1,000 वर्ग मीटर कर दिया गया है, तथा बेहतर पहुंच के लिए 900 वर्ग मीटर का अतिरिक्त फुटपाथ भी बनाया गया है। प्रवेश लेन 8 से बढ़कर 14 हो गई हैं, जबकि प्रस्थान लेन अब 4 हैं। इसके अतिरिक्त, सुगम बोर्डिंग अनुभव के लिए 4 नए डिजीयात्रा द्वार शुरू किए गए हैं। सुरक्षा जांच क्षेत्र को 300 से बढ़ाकर 450 वर्ग मीटर कर दिया गया है, जिसमें बेहतर दक्षता और आराम के लिए अतिरिक्त जांच कतारें और उन्नत फर्नीचर की सुविधा भी उपलब्ध है। एक आकर्षक 140 मीटर ऊंची वास्तुशिल्प दीवार का निर्माण किया गया है, जिसके सौंदर्यात्मक आकर्षण को बढ़ाने के लिए 300 वर्ग मीटर का नया हरा-भरा उद्यान भी बनाया गया है। खुदरा, भोजन और मनोरंजन सुविधाओं को उन्नत किया गया है, जिससे अधिक आरामदायक और आनंददायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित होगा।

24 को गुवाहाटी ...

नई निविदा को लेकर भी चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि राजधानी के बाहरी क्षेत्र से होकर बनने वाले रिंग रोड के लिए निविदा पूरी हो चुकी है। एक माह के अंदर ही कार्य आरंभ होगा। मुख्यमंत्री ने बताया है कि ब्रह्मपुत्र नद पर नुमलीगढ़-गहपुर के बीच बनने वाले चार लेन वाले सुरंग की समीक्षा संबंधी तैयारी दूसरे चरण में पहुंच गई है। वर्तमान में इससे संबंधित फाइल पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) के पास पहुंच गई है। वहीं दिल्ली चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की जीत होगी।

प्रतिबंधित संगठनों के ...

संगठनों के साथ हुए तीन समझौतों से त्रिपुरा में शांति और समृद्धि आई है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में माणिक साहा के नेतृत्व वाली सरकार ने बिना किसी भेदभाव के *मल्टी-टास्किंग स्टाफ* (ग्रुप-डी) के 2,806 पदों के लिए भर्ती अभियान पूरा कर लिया है। भाजपा नेता इस बात पर जोर देते रहे हैं कि पिछले कुछ वर्षों में त्रिपुरा और देश के बाकी हिस्सों के बीच भूमि, हवाई और रेल संपर्क में बेहतर सुधार हुआ है। भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन 2018 से राज्य में शासन कर रहा है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया। शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर दो दिन में दो उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण केंद्र शासित प्रदेश में आतंक का पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर हो गया है। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गृहमंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को शून्य घुसपैठ के लक्ष्य के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ फेंकना होना चाहिए।

जनविश्वास बिल 2.0 ...

को बढ़ाने की घोषणा की गई है। डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने बताया कि राज्यों के साथ मिलकर औद्योगिक निरीक्षण के तरीके में सुधार किया जाएगा। एक निश्चित समय में निरीक्षण करना होगा और ऑनलाइन पोर्टल पर बताना होगा कि यूनिट में क्या कमी है। इस प्रकार के कई बदलाव आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि जन विश्वास बिल के माध्यम से प्रविधानों को कम करने और अन्य नियामक के बोझ को हल्का करने का मुख्य मकसद मैन्यूफैक्चरिंग की लागत को कम करना है। बजट में मैन्यूफैक्चरिंग मिशन लांच करने की घोषणा की गई है। मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। मिशन भी कारोबारी सहूलियत बढ़ाने, उद्योग के लिए तकनीकी व कुशल श्रमिक उपलब्ध कराने एवं गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने के लिए फ्रेमवर्क तैयार करेगा। हालांकि अभी यह तय नहीं है इस मिशन का प्रमुख कौन होगा। मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ाने का प्रयास मेक इन इंडिया से लेकर प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी स्कीम से किया जा रहा है। हालांकि अब भी देश के जीडीपी में न की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकी है।

अगरतला उच्चायोग में ...

के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के एक समूह द्वारा उच्चायोग परिसर में घुसपैठ करने के एक दिन बाद किया गया था। बांग्लादेश सहायक उच्चायुक्त कार्यालय के प्रथम सचिव मोहम्मद अल अमीन ने कहा कि बांग्लादेश सहायक उच्चायोग की सभी वीजा और वाणिज्य दूतावास सेवाएं पांच फरवरी से फिर से शुरू होंगी। पिछले साल दिसंबर में उच्चायोग में तोड़फोड़ के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया था। तब बांग्लादेश सरकार ने कहा था कि वह बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग के परिसर में हिंदू संघर्ष समिति के प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह द्वारा किए गए हिंसक प्रदर्शन और हमले पर गहरी नाराजगी जताती है तथा इस घटना पर तत्काल कार्रवाई और गहन जांच की मांग करती है। बांग्लादेश उच्चायोग ने अगरतला स्थित अपने मिशन में की सुरक्षा के उल्लंघन पर विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद राज्य सरकार ने भी वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इस घटना में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने बताया कि कथित लापरवाही के लिए तीन उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया। घटना को लेकर न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स (एनसीसी) पुलिस स्टेशन में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया था कि घटना के बाद वाणिज्य दूतावास में सुरक्षा बढ़ा दी गई तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) के जवानों को तैनात किया गया। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी घटना पर नाराजगी जाहिर की थी और कहा कि लोगों को शांतिपूर्ण विरोध की अनुमति दी जा सकती है लेकिन इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है।

डंकी रूट से अमेरिका ...

सबसे बड़ा डिपोर्टेशन प्रोग्राम चल रहा है, जिसके तहत ग्वाटेमाला, पेरू और होंडूरास के अवैध प्रवासियों को भी सैन्य विमानों से वापस भेजा गया है। भारत सरकार और अमेरिका ने मिलकर ऐसे 18,000 भारतीयों की पहचान की है, जिन्हें डिपोर्ट किया जाएगा। पिछले हफ्ते अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात कर अवैध प्रवासियों की वापसी को लेकर चर्चा की थी। भारत सरकार ने पहले ही स्पष्ट किया था कि वह अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए हमेशा तैयार रही है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, अमेरिका में लगभग 7.25 लाख अवैध भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो अवैध प्रवासियों की तीसरी सबसे बड़ी संख्या है। पहले स्थान पर मेक्सिको, और दूसरे स्थान पर अल सल्वाडोर है। भारत सरकार और अमेरिकी प्रशासन मिलकर अवैध प्रवासियों की पहचान और प्रत्यावर्तन प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में अमेरिका से बड़ी संख्या में भारतीयों को वापस भेजा जा सकता है।

हमास ने गाजा पर ...

करता है कि गाजा निवासियों को क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। हमास ने एक बयान में कहा कि नरसंहार और विस्थापन के अपराध के लिए जायोनी (यहूदियों की सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र यहूदी राज्य की वकालत करने वाले राष्ट्रवादी) को जिम्मेदार ठहराने के बजाय, उन्हें एक तरह से सम्मानित किया जा रहा है और दंडित होने से बचाया जा रहा है। बयान में कहा गया कि हम ट्रंप के उन बयानों को खारिज करते हैं जिसमें उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी के निवासियों के पास वहां से चले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और हम उन्हें क्षेत्र में अराजकता और संघर्ष की वजह मानते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप गाजा पर अमेरिका के कब्जे का ख्याल छोड़ दें क्योंकि ये नामुमकिन है।

हिंदू संत चिन्मय...

12 जनवरी को जमानत के लिए याचिका दायर की थी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से जमानत पर स्पष्टीकरण मांगा। वकील भट्टाचार्य ने यह भी बताया कि हाईकोर्ट केवल रविवार और सोमवार को मामलों की सुनवाई करता है, और उम्मीद जताई कि मामले की सुनवाई अगले सप्ताह हो सकती है। चटगांव में जमानत याचिका पर सुनवाई कड़ी सुरक्षा के बीच हुई थी, जहां सरकार की ओर से मेट्रोपॉलिटन पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एडवोकेट मोफिजुर हक भुइयां ने प्रतिनिधित्व किया था। इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास को कानूनी कार्यवाही के चलते हिरासत में रखा गया है। इससे पहले, 11 दिसंबर 2024 को बांग्लादेश की एक अदालत ने दास की प्रारंभिक जमानत याचिका को प्रक्रिया में खामी के कारण खारिज कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, याचिका में वैध पावर ऑफ अटॉर्नी और वकील की उपस्थिति की कमी के कारण इसे खारिज किया गया था। इसके अतिरिक्त, दास के वकील सुभाशीष शर्मा सुरक्षा कारणों से 3 दिसंबर 2024 की सुनवाई में शामिल नहीं हो सके थे, जिससे मामला और जटिल हो गया। अब बांग्लादेश हाईकोर्ट में जमानत की सुनवाई लंबित है और सरकार से विस्तृत स्पष्टीकरण की उम्मीद की जा रही है। मामले में आने वाले दिनों में नया मोड़ आ सकता है, क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सरकार को दो सप्ताह के भीतर जवाब देना होगा।

हिंदू शरणार्थियों ने पहली ...

समुदाय के अध्यक्ष धर्मवीर सोलंकी ने उम्मीद जताई कि उनका संघर्ष कम होगा। उन्होंने कहा कि अब, हमें लगातार अपना स्थान नहीं बदलना पड़ेगा। हमें अंतत: स्थायी घर और आजीविका का एक स्थिर साधन मिलेगा। सोलंकी ने कहा कि हमारे समुदाय के लोग इतने उत्साहित थे कि वे शरणार्थियों के पुनर्वास कॉलोनी मजनू का टीला में मतदान केंद्र के बाहर कतार में खड़े थे। चंद्रमा ने भावुक होते हुए कहा कि मैं यहां 17 साल से रह रही हूं, लेकिन आज पहली बार मुझे सचमुच ऐसा महसूस हो रहा है कि मैं हिंदुस्तान का हिस्सा हूं। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद अब मुझे उम्मीद है कि मेरे बच्चों को बेहतर जिंदगी मिलेगी। दशकों से, हजारों पाकिस्तानी हिंदू धार्मिक उत्पीड़न से भागकर भारत में शरण लेते रहे हैं। कई लोग दिल्ली के मजनू का टीला में बस गए, अस्थायी आश्रयों में रहने लगे और दैनिक मजदूरी का काम करने लगे।

असम कैबिनेट बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

गुवाहाटी (हिंस)। असम कैबिनेट बैठक में बुधवार को कई महत्वपूर्ण लिए गए। यह साप्ताहिक बैठक मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा की अध्यक्षता में दिसपुर में लोक सेवा भवन में आयोजित की गई। बैठक के बाद कैबिनेट के प्रमुख निर्णयों के बारे में मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने संवाददाता सम्मेलन में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री मल्ल बरुवा ने बताया कि असम स्टार्टअप और नवाचार नीति 2025 से विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप का समर्थन करके उद्यमिता, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है। एरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए असम एरोस्पेस और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी 2025 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने पर केंद्रित है। इसके साथ ही असम बायोई-3 नीति (बायोइकोनॉमी, पर्यावरण और ऊर्जा) सतत विकास पहलों का समर्थन करती है और स्वच्छ ऊर्जा, बायोइकोनॉमी और पर्यावरण संरक्षण के उपयोग को बढ़ावा देती है। मंत्री मल्ल बरुवा ने कहा कि असम अर्बन वाटर बॉडी प्रिजर्वेशन एंड कंजर्वेशन एक्ट को अप्रूव, असम म्यूनिशिपल एंप्लाइज प्रोविजनल बिल 2025, बोडोलैंड यूनिवर्सिटी रेगुलर स्टेटस को अप्रुव किया गया। असम भाषा टीचर के स्टेटस को ग्रेजुएट टीचर के समान किया है, असम पब्लिक डिस्ट्रूब्यूशन आर्टिकल एमेंडमेंट आर्डर 2025 को अप्रुव कर दिया है।

असम में प्रतिदिन हो रहा एक पुल और 15 किमी सड़क का निर्माण : मुख्यमंत्री

दिव्यांग निरंजन को मुख्यमंत्री ने सौंपा ई-रिक्शा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में एक संगठित विकास की गति है। असम में विकास वर्तमान में अभूतपूर्व गति और पैमाने पर चल रहा है। राज्य में वर्ष 2021 से प्रतिदिन एक पुल और लगभग 15 किमी प्रतिदिन सड़क का निर्माण हो रहा है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए सरकार की उपलब्धियों और राज्य में तेज गति से हो रहे विकास पर प्रकाश डाला है। उन्होंने लिखा कि राज्य में एक संगठित विकास की गति है। असम में विकास वर्तमान में अभूतपूर्व गति और पैमाने पर चल रहा है। उन्होंने बताया है कि वर्ष 2021 से प्रतिदिन एक पुल और लगभग 15 किमी प्रतिदिन सड़क का निर्माण हो रहा है। इस प्रकार बीते वर्ष दिसंबर माह तक कुल 1,236 पुल और 18,000 किलोमीटर सड़क को आम लोगों की

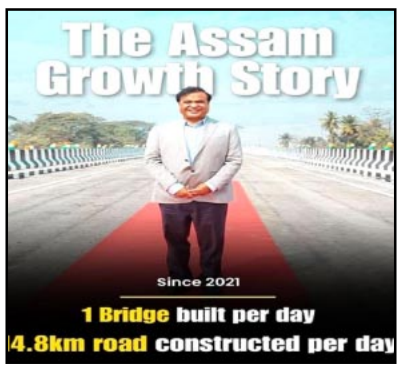

सेवा में समर्पित किया जा चुका है। यह नए असम के विकास के लिए एक नई दृष्टि है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने एक अन्य पोस्ट में बताया है कि असम और पूर्वोत्तर में रेलवे नेटवर्क पिछले दशक में 1,824 किमी बढ़ा है। यह संख्या श्रीलंका के कुल रेलवे नेटवर्क से भी अधिक है। यह मोदी सरकार के पूर्वोत्तर में महत्व का प्रभाव है। वर्ष 2025-26 के लिए 10,440 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, असम में 50 अमृत भारत स्टेशन के साथ ही और काफी परियोजनाओं का आवंटन किया गया है। आज अमुख्यमंत्री ने दिसपुर स्थित अपने आवास पर दिव्यांग निरंजन को एक ई-रिक्शा प्रदान किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आवश्यकता के महत्व को समझते हुए किए गए वादे को पूरा कर शांति महसूस कर रहा हूं। उम्मीद है, यह छोटा सा समर्थन निरंजन और उनके परिवार के दिन-प्रतिदिन के जीवन में अधिक राहत और सुविधा सुनिश्चित करेगा।दरअसल, दिव्यांग निरंजन के पिता ने अस्पताल में इलाज कराने के लिए आने-जाने में मदद के लिए एक ई-रिक्शा के लिए मुख्यमंत्री को आवेदन किया था।

असम साहित्य सभा के अध्यक्ष का विशेष पुरस्कार से लेखक डॉ. सीमा बोरा कश्यम सम्मानित

गुवाहाटी। असम साहित्य सभा की सत्तत्तरवीं द्विवार्षिक विद्यालय सभा के खुले सत्र में असम साहित्य सभा के अध्यक्ष का विशेष पुरस्कार लेखक डॉ. सीमा बोरा कश्यप) को *भाषा की मृत्यु यात्रा* लेख के लिए दिया गया। उद्घाटन सत्र में असम साहित्य सभा के अध्यक्ष सूर्यकांत हजारिका, पूर्व अध्यक्ष ध्रुबज्योति बोरा, महासचिव डॉ. उपेंद्रजीत सरमा, स्वागत समिति के अध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

झुमर बिनंदिया कार्यक्रम की तैयारियों पर उच्चस्तरीय बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार द्वारा 24 फरवरी को गुवाहाटी के सरूसजाई स्टेडियम में आयोजित होने वाले *झुमर बिनंदिया* नृत्य कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए जनता भवन में आज एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मंत्री अशोक सिंघल के कार्यालय में हुई, जिसमें कैबिनेट समिति के अन्य सदस्य मंत्री पीयूष हजारिका, जयंत मल्ल बरुवा, जोगेन महन और रूपेश गोवाला उपस्थित रहे। कार्यक्रम की देखरेख के लिए गठित इस समिति के साथ विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में विभिन्न जिलों से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्थाएं, मंडलीय अभ्यास शिविर, मुख्य मंच और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति, प्रतिभागियों के परिवहन, आवास, भोजन, चिकित्सा सुविधाएं, पेयजल, शौचालय, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, कानून-व्यवस्था, निर्बाध बिजली आपूर्ति, प्रचार-प्रसार और अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कैबिनेट समिति 19 फरवरी को स्थल का निरीक्षण करेगी, इससे पहले सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश बैठक में संबंधित उप-समितियों को दिए गए। बैठक में असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

रिश्वत लेते सहायक अभियंता रंगे हाथों गिरफ्तार

जोरहाट (हिंस)। राज्य के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम ने बुधवार को विकास खंड कार्यालय के एक सहायक अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जोरहाट जिला के सिपाहिखोला स्थित सेंट्रल जोरहाट विकास खंड कार्यालय के सहायक अभियंता सिबा प्रसाद सैकिया ने मनरेगा के बिलों के भुगतान के लिए शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इस पर उसने लोकसेवक सैकिया के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राज्य के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालयसे संपर्क किया था। इस पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक की टीम ने सिपाहिखोला स्थित सेंट्रल जोरहाट विकास खंड कार्यालय में जाल बिछाया।

एसएसबी के 24वीं बटालियन प्रांगण में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी, रंगिया प्रांगण में आगामी शनिवार, दिनांक 8 फरवरी को एम्स गुवाहाटी के सौजन्य से नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है। *आयुष्मान भारत-प्रधान मंत्री जन-आरोग्य योजना* के तहत सरकारी ईकाई चिकित्सालय (10 बिस्तर सुविधा संपन्न अस्पताल) के सहयोग से सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होने वाले इस शिविर में एम्स के डॉ. अशोक पुराणिक, कार्यकारी निर्देशक एवं एम्स गुवाहाटी की टीम द्वारा दंत रोग, हड्डी रोग, शल्य चिकित्सा, नेत्र रोग, नाक, कान, गला से संबंधित रोग, मेडिसन, कम्यूनिटी मेडिसन, त्वचा रोग, बच्चो से संबंधित रोग, महिलाओं से संबंधित रोग की रोकथाम हेतु नि:शुल्क परामर्श दिया जायेगा। इस मौके पर बल वाहिनीं द्वारा रंगिया तथा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वाहिनी मुख्यालय स्थित ईकाई चिकित्सालय प्रांगण में आयोजित होने वाले इस शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नि:शुल्क मानव चिकित्सा परामर्श शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया गया है।

शुभम एलिट सोसाइटी में बंदरों का प्रवेश

गुवाहाटी (विभास)। गांधी बस्ती स्थित शुभम एलिट सोसाइटी में प्रात: काल होते ही बंदरों की चहल कदमी शुरू हो जाती है। हालांकि अभी तक इन्होंने किसी का कोई नुकसान नहीं किया। गत कई दिनों से कुमारपाडा, छतरीबाड़ी आदि क्षेत्रों में बंदरों का आना-जाना देखा जाता था, अब गांधी बस्ती में शुभम एलीट जैसे रिहायसी अपार्टमेंट में भी बंदरों की घुसपैठ हो गई है। अभी शांत दिखने वाले बंदर कुछ दिनों बाद जब झुंड में आने शुरू हो जाएंगे तब ऊंची इमारत पर चढ़कर खिड़की से ये अपना करतब दिखाने लगेंगे। यह बंदर शरनिया पहाड़ियों से आते हैं।

होजाई : मानव तस्करी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

होजाई (निसं)। होजाई जिला न्यायिक विधि प्राधिकरण के तत्वाधान में मानव तस्करी विषय पर एक जागरूकता सभा आयोजित की गई। होजाई जिला न्यायिक विधि प्राधिकरण के तत्वाधान में होजाई के भालूकुमारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) विषय पर एक जागरूकता सभा आयोजित की गई। जागरूकता सभा में होजाई जिला न्यायिक विधि प्राधिकरण की सचिव मर्लिन हजारीका मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को मानव तस्करी के विषय में बारीकी से जानकारी दी व बताया कि कैसे हमें इस पर सदैव सतर्क रहना चाहिए। वहीं उन्होंने इस विषय से जुड़े विधि सहायता के बारे में भी बताया। इस सभा के दौरान विद्यालय की प्रधान अध्यापिका के साथ-साथ विद्यालय के सभी शिक्षक गण उपस्थित थे वह नायक विधि प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक कांस्टेबल एवं एक अपराधी घायल

दोनों का जीएमसीएच में चल रहा इलाज

गुवाहाटी। राजधानी के जोराबाट इलाके में तीन शातिर अपराधियों को लेकर वशिष्ठ पुलिस बीती रात तलाशी अभियान चलाने पहुंची थी। इस बीच मौका पाकर पुलिस की कस्टडी से फरार होने की कोशिश के दौरान हुई मुठभेड़ में एक अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। राजधानी के वशिष्ठ डीसीपी मृणाल डेका ने आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि बीती रात छयमाइल इलाके से तीन वाहन चोरों दिव्यज्योति सैकिया, अजय सिंह और दीपू तेरन को गिरफ्तार किया गया था। वाहन चोरों का गैंग शहर के विभिन्न हिस्सों में बाइक चोरी में शामिल था। इस दौरान दिव्यज्योति ने धारदार

हथियार से पुलिस पर हमला कर दिया था, जिसमें एक कांस्टेबल घायल हो गया। उन्होंने बताया कि वशिष्ठ पुलिस ने बीती रात में जोराबाट में चोरों के गैंग के साथ तलाशी अभियान चलाने पहुंची थी। इसी बीच तेरह माइल इलाके में एक समूह ने अपराधियों को छुड़ाने के लिए पुलिस पर पत्थरबाजी की। इसी दौरान मौका पाकर दिव्यज्योति सैकिया पुलिस की हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस ने फिर से उसे पकड़ने के लिए प्रयास किया। इस बीच पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली मारी जिसके चलते चोर दिव्यज्योति घायल हो गया। इलाज के लिए उसे जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। दिव्यज्योति सैकिया के पैर पर गोली लगी है। दिव्यज्योति और गैंग से 2 बाइक और मास्टर चाभी जब्त किए गए है। डीसीपी ने बताया है कि चोरों के गैंग गुवाहाटी शहर के विभिन्न हिस्सों से बाइक चुराने के बाद उन्हें राज्य के बाहर बेचा करते थे। पुलिस इस मामले की जांच जारी रखे हुए है।

22वीं धन्वंतरि सेवा यात्रा चिकित्सा शिविर होजाई जिले के जरांदिसा खंड के पाटुपथर गांव में आयोजित किया गया

होजाई (निसं)। सेवा भारती पूर्वांचल और नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन द्वारा सेवा भारती गुजरात के सहयोग से आज होजाई जिले के जरांदिसा खंड के पाटुपथर गांव में आज 22वीं धन्वंतरि यात्रा 2025 का आयोजन किया गया। शिविर में राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली के डॉ. रेणुका पालीवाल के साथ-साथ भारत के विभिन्न स्थानों से चिकित्सा मुकुल चक्रवर्ती, प्रणीता बसुमतारी, रंजूश्री डेका, दीपिका कौशिक और कई अन्य स्थानीय डॉक्टर शामिल हुए। उक्त चिकित्सा शिविर में लगभग 150 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके साथ-साथ जरूरी दवाइयां भी दी गई। चिकित्सा शिविर

में होजाई जिला सेवा भारती के कार्यकर्ता शेखर हालदार, लामडिंग नगर संघचालक डॉ. रजत गोस्वामी, सेविका समिति की डॉ. मनश्री बरठाकुर, प्रधान अध्यापक शेखर चक्रवर्ती, खंड कार्यवाह वरुण सरकार, जिला कार्यवाह प्रदीप शील, संजीव सूत्रधार, स्थानीय गोपाल कर्मकार, विकास ज्योति भट्टाचार्य सहित अनेक स्वयंसेवकों की उपस्थिति में चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बरमुरा खानापाड़ा में माघी पूर्णिमा का 23वां आयोजन

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया के बरमुरा खानापारा में माघ महीने की पूर्णिमा तिथि का व्यापक आयोजन किया गया है। इसवर्ष इसके 23वें आयोजन को लेकर समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है। आगामी 12 फरवरी को एकदिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए समींद्र नाथ वैश्य को अध्यक्ष, देवजीत वैश्य को कार्यकारी अध्यक्ष, बनजीत वैश्य को महासचिव और जयंत वैश्य और दिगंतो वैश्य को सहायक सचिव के रूप में पदभार देते हुए आयोजन समिति का गठन किया गया है। उत्सव का शुभारंभ गांव विकास समिति के अध्यक्ष तरूण चंद्र वैश्य द्वारा समिति के ध्वजारोहण के साथ किया जाएगा। तत्पश्चात धर्मीय ध्वजारोहण, वार्षिक ध्वजारोहण एवं स्मृति तर्पण, पौधरोपण, मुख्य द्वार और भोग ग्रहण क्षेत्र का उद्घाटन के साथ ही भागवत भ्रमण का शुभारंभ किया किया जाएगा जोकि प्रमुख पत्रकार एंजेला सांगमई द्वारा किया जाएगा, इसके बाद श्री मद्भागवत की स्थापना और पाठ किया जाएगा। इसके अलावा शाम को पुरस्कार वितरण समारोह और संध्या सुबुरी के सभी आवास स्थानों में और नामघर प्रांगण में दीप प्रज्वलित किए जायेंगे। इसके पश्चात आमंत्रित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और और स्वागत समारोह का आयोजन किया जाएगा।

नगांव, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा का गठन

नितू पोद्दार अध्यक्ष, विनिता खाटूवाला सचिव व संगीता दस्सानी बनी कोषाध्यक्ष

नगांव (निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, नगांव का गठन कर विधिव शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मंगलवार को श्री लोहिया विवाह भवन में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम मंच संचालक अजित माहेश्वरी ने सभी पदाधिकारियों को मंच पर आसन ग्रहण करवाया, जिसमें सभा के सभापतित्व के लिए मंडल डी के उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, नगांव शाखा के शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय मुख्यालय रमेश चांडक, बालिका छात्रा निवास के प्रांतीय संयोजक जुगल किशोर सिंधी, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार मंगलुनीया, मंडल डी के सहायक मंत्री विकाश अग्रवाल नवनियुक्त अध्यक्षा नितु पोद्दार, नवनियुक्त सचिव विनीता खाटू वाला, नवनियुक्त कोषाध्यक्ष संगीता दस्सानी। सभी अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इसी कड़ी में प्रांतीय सयुंक्त मंत्री मनोज काला एवं सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शंकर बिरला का भी फुलाम गमोछा से अभिनंदन किया गया। तदपश्चात भगवान श्रीगणेश जी के आगे सभा

के मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा एवं सभी पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर सभा का उद्घाटन किया गया। सभा के सभापति संजय गाड़ोदिया ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक ने मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, नगांव की 37 सदस्याओं को विधिवत शपथ ग्रहण करवाया एंव नवनियुक्त अध्यक्षा नितू पोद्दार को मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने शपथ पाठ करवाया तथा सचिव विनीता खाटूवाला, कोषाध्यक्ष संगीता दस्सानी, उपाध्यक्ष द्वय शर्मिला माहेश्वरी व रिंकू गिदड़ा तथा पी.आर.ओ डिम्पल शर्मा को प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला द्वारा शपथ पाठ करवाया गया। शहर की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियो ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर नवनियुक्त अध्यक्षा नितू पोद्दार का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया। जिसमें पुर्वोत्तर प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा, सम्मेलन मंडल- डी, मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा, मारवाड़ी युवा मंच समृद्धि शाखा, मारवाड़ी युवा मंच शिखर शाखा, छात्रा निवास के प्रांतीय संयोजक जुगल किशोर सिंधी, श्री गोपाल गोशाला, नगांव, अग्रवाल महिला समिति नगांव, जैन तेरापंथ महिला मंडल, जैन तेरापंथ सभा, माहेश्वरी युवा संगठन, नगांव, नारायणी सेवा समिति, नगांव। नवनियुक्त अध्यक्षा नितू पोद्दार ने अपने सम्बोधन में संजय गाड़ोदिया व अजित माहेश्वरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इन्होंने मुझपर अपना विश्वास जताते हुए अध्यक्ष पद से नवाजा है। मैं इन सभी को और समाज को विश्वास दिलाती हूं कि अपनी टीम व आप सभी के सहयोग से सम्मेलन तथा समाज को नई उच्चाईयों पर ले जाने का भर पुर प्रयास करुगी। जय सम्मेलन, जय समाज के उद्घोष के साथ अपनी वाणी को विराम दिया। उसके बाद सभा में उपस्थित सभी पत्रकारों का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया जिसमें अजित माहेश्वरी, बैधनाथ सहनी, अजय महतो, विकाश शर्मा, रबिन्द्र साहा, डिम्पल शर्मा, युवा पत्रकार पूजा माहेश्वरी शामिल थी। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने अपने भाषण में नवनियुक्त अध्यक्षा एवं महिला शाखा की सभी सदस्याओं को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक घर से कम से कम दो सदस्य सम्मेलन परिवार में होने चाहिए जिसमे एक महिला एवं एक पुरुष को सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण करनी चाहिए।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
No.143PSC/DR-41/1/2022-23

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Interview/Viva-Voce for the post of **Child Development Project Officer & Allied Cadres under women and Child Development Department** (Advt. No.33/2023, dated 13-12-2023) as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22.

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	**Child Development Project Officer & Allied Cadres under Women and Child Development Department, Assam**	**14th Feb, 2025 15th Feb, 2025 17th Feb, 2025 18th Feb, 2025 19th Feb, 2025 20th Feb, 2025 21st Feb, 2025**	**9.00 AM**

Kindly note that the candidates appearing the interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original along with self attested photocopies in chronological order, thereof for verification/scrutiny on the day of the interview:**

i. H.S.L.C/H.S Admit/Marksheet/Pass Certificate as a proof of age.
ii. H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iii. H.S.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iv. Bachelor Degree (all semester) Marksheet and Pass certificate.
v. Post Graduate Degree/Diploma Marksheet (all semester) and Pass Certificate.
vi. CGPA Conversion Formula of the respective universities
vii. Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration Certificate.
viii. **State Government Employees of Assam must submit No Objection Certificate from their respective employer or Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration Certificate.**
ix. Caste/PWBD certificate/BPL Card (if applicable).
x. Declaration Form A *("May be downloaded from APSC's website")*
xi. Any other documents that may be relevant for their candidature.

The intimation letters shall be uploaded on 11-02-2025 in the APSC's website (www.apsc.nic.in). No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/12344/24/6-Feb-25

संपादकीय

दिल्ली में घुसपैठिए वोटर

क्या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव में 20 लाख से अधिक घुसपैठिए मतदान करेंगे? क्या देश की राजधानी में इतने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं? यदि हैं, तो राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का दोषी और जवाबदेह कौन है? क्या लाखों अवैध शरणार्थियों को, सिर्फ चुनाव के मद्देनजर, राजनीतिक संरक्षण दिया जाना संभव है? क्या भारत सरकार और सीमाओं पर तैनात सुरक्षा बलों ने आंखें मूंद रखी हैं? ऐसे कई सवाल बेहद संवेदनशील हैं। दिल्ली को घुसपैठियों की धर्मशाला नहीं बनाया जा सकता। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 114 पन्नों की जो शोध-रपट जारी की है, बेशक उसे पूर्ण सत्य न माना जाए, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा तो पुराना है। इस रपट को नकारा भी नहीं जा सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। चुनाव आयोग ने सभी दृष्टिकोण से सुनिश्चित करने और क्रॉस चेकिंग के बाद जो अंतिम मतदाता-सूची तैयार की है, क्या उसमें करीब 20 लाख घुसपैठियों के नाम भी दर्ज हैं। इस अवैध मतदान से न केवल हमारी चुनाव-प्रणाली प्रभावित होगी, बल्कि दिल्ली की जनसंख्या के समीकरण भी बदल रहे हैं। यहां की 84 फीसदी हिंदू आबादी घट कर 81.7 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 5.7 फीसदी थी, जो बढक़र करीब 13 फीसदी हो गई है। यह खतरनाक बदलाव है। सवाल यह है कि घुसपैठिए मतदाता बने, उन्हें सभी सरकारी संसाधन और सुविधाएं भी हासिल हैं, उनके पास मतदाता पहचान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि सरकारी, वैध दस्तावेज भी हैं, तो उनकी छंटनी कर कैसे साबित किया जा सकता है कि वे अवैध घुसपैठिए हैं? वे बांग्लादेश, म्यांमार सरीखे पड़ोसी देशों से भारत में घुसे हैं? रपट में खुलासा किया गया है कि राजधानी दिल्ली में 20 लाख से अधिक घुसपैठिए मौजूद हैं और वे किन इलाकों में रहते हैं। पुलिस ने अधिकतर चेहरे चिह्नित भी कर रखे हैं। उन्हें उनके देश वापस भेजने का फैसला भी हो चुका है, लेकिन डिपोर्ट करने के 70 फीसदी मामले आज भी लंबित पड़े हैं, क्योंकि घुसपैठियों के मूल देश उन्हें अपने नागरिक मानने को तैयार नहीं हैं। यही नहीं, पुलिस को भी इनके इलाकों में जाने से रोका गया है। क्या घुसपैठिए इतना बड़ा खतरा हैं अथवा राजनीतिक संरक्षण के तहत ऐसा किया गया है? करीब 45 फीसदी घुसपैठिए झुग्गियों में रहते हैं। वहां उन्हें मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा सरीखी सरकारी सुविधाएं हासिल हैं। जिन इलाकों में घुसपैठिए रहते हैं, वहां आसपास के स्कूलों में 20-30 फीसदी बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। ये घुसपैठिए असंगठित क्षेत्रों में काम या मजदूरी करते हैं और कम वेतन या दिहाड़ी पर भी काम करने को तैयार रहते हैं, लिहाजा कारोबारी उन्हें काम पर रखने को प्राथमिकता देते हैं और श्रम के कोई भी दस्तावेज नहीं देने पड़ते हैं। भाजपा ने इसे भी मुद्दा बनाया है कि जो काम पूर्वांचल या अन्य क्षेत्रों के लोगों को मिलने चाहिए थे, वे कम पैसे के कारण घुसपैठियों को मिल रहे हैं। यह भी बेरोजगारी का बड़ा कारण है। रपट में बताया गया है कि फर्जी दस्तावेज बनाने का भी एक गिरोह सक्रिय है, जो स्थानीय नेताओं के इशारे पर इन घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज तैयार करता है। बदले में ये अवैध अप्रवासी उन नेताओं को चुनाव में वोट देते हैं। किसी भी स्तर पर घुसपैठ स्वीकार्य न हो।

दिल्ली को घुसपैठियों की धर्मशाला नहीं बनाया जा सकता। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 114 पन्नों की जो शोध-रपट जारी की है, बेशक उसे पूर्ण सत्य न माना जाए, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा तो पुराना है। इस रपट को नकारा भी नहीं जा सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। चुनाव आयोग ने सभी दृष्टिकोण से सुनिश्चित करने और क्रॉस चेकिंग के बाद जो अंतिम मतदाता-सूची तैयार की है, क्या उसमें करीब 20 लाख घुसपैठियों के नाम भी दर्ज हैं। इस अवैध मतदान से न केवल हमारी चुनाव-प्रणाली प्रभावित होगी, बल्कि दिल्ली की जनसंख्या के समीकरण भी बदल रहे हैं। यहां की 84 फीसदी हिंदू आबादी घट कर 81.7 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 5.7 फीसदी थी, जो बढक़र करीब 13 फीसदी हो गई है। यह खतरनाक बदलाव है। सवाल यह है कि घुसपैठिए मतदाता बने, उन्हें सभी सरकारी संसाधन और सुविधाएं भी हासिल हैं, उनके पास मतदाता पहचान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि सरकारी, वैध दस्तावेज भी हैं, तो उनकी छंटनी कर कैसे साबित किया जा सकता है कि वे अवैध घुसपैठिए हैं? वे बांग्लादेश, म्यांमार सरीखे पड़ोसी देशों से भारत में घुसे हैं?

विपक्षी दल इस घटना को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को घेर रहे हैं

कुंभ भगदड़ पर शर्मनाक राजनीति

राजेश कुमार पासी

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसी को देखते हुए इस आयोजन की जबरदस्त तैयारी की थी। लगभग 25 दिनों से कुंभ चल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन की जबरदस्त तारीफ कर रहे हैं। सरकार द्वारा किये गये इंतजामों से बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन सबसे बड़ा अमृत स्नान था जिसमें लगभग 12 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस दिन एक भगदड़ में दर्जनों लोगों के घायल होने के अलावा 30 लोगों की जान चली गई। एक छोटे शहर के कुछ हिस्से में 10 करोड़ लोग इकट्ठे थे, इसलिए अगर वहां भगदड़ मच गई तो ये स्वाभाविक सी घटना है लेकिन यह नहीं होना चाहिए था।

12 साल में आयोजित होने वाले कुंभ का भारतीय धर्म और संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इस बार का कुंभ तो 12 कुंभों के बाद होने वाला महाकुंभ है, इसलिए इसका विशेष महत्व है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसी को देखते हुए इस आयोजन की जबरदस्त तैयारी की थी। लगभग 25 दिनों से कुंभ चल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन की जबरदस्त तारीफ कर रहे हैं। सरकार द्वारा किये गये इंतजामों से बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन सबसे बड़ा अमृत स्नान था जिसमें लगभग 12 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस दिन एक भगदड़ में दर्जनों लोगों के घायल होने के अलावा 30 लोगों की जान चली गई। एक छोटे शहर के कुछ हिस्से में 10 करोड़ लोग इकट्ठे थे, इसलिए अगर वहां भगदड़ मच गई तो ये स्वाभाविक सी घटना है लेकिन यह नहीं होना चाहिए था। इस भगदड़ के कारण सरकार के इंतजामों पर सवाल खड़ा हो गया है। यह सवाल इसलिए खड़ा हो गया है क्योंकि सरकार को पता था कि इस दिन इतने लोग वहां आ सकते हैं। सरकार को पता था इसलिए सरकार ने इंतजाम भी किये थे। भगदड़ होने का मतलब है कि सरकार के इंतजामों में कहीं कोई कमी थी। विपक्ष को यह अधिकार है कि वो इस सम्बन्ध में सरकार से सवाल करें और लोकतंत्र में ऐसा होता भी है। विपक्षी दल इस घटना को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को घेर रहे हैं। संसद में भी यह मामला उठाया गया है। लोकतंत्र में यह एक सामान्य बात है कि ऐसी घटनाओं पर विपक्ष सरकार से सवाल-जवाब करे लेकिन विपक्ष इस मामले में जैसी राजनीति कर रहा है, वो बहुत ही शर्मनाक है। 29 जनवरी को इस मामले पर विपक्ष ने संसद में जबरदस्त हंगामा किया और सरकार पर आंकड़ों को छिपाने का आरोप लगाया। देखा जाये तो यह आरोप भी ज्यादातर विपक्ष ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर सरकार पर लगाया करता है लेकिन जैसा आरोप लगाया गया है, वो बेहद आपत्तिजनक है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद में कहा कि 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गये हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनकड़ ने उन्हें बयान वापिस लेने को कहा तो उन्होंने कहा कि यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं है तो सरकार को बताना चाहिए। इसके अलावा लोकसभा में भी विपक्ष ने जबरदस्त हंगामा किया

और सरकार को कहा कि वो कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी करे। समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने कहा है कि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि भगदड़ में हजारों लोग मारे गये हैं। उनका कहना है कि लोगों को दफना दिया गया है, जो लोगों को बाद में मिलेंगे। उन्होंने कहा है कि हिन्दुओं को दबा दिया गया है। समाजवादी पार्टी की नेता और सांसद जया बच्चन ने कहा है कि इस मेले में गंगा का पानी सबसे दूषित है क्योंकि भगदड़ में मारे गये लोगों के शव नदी में फेंक दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि कुंभ में करोड़ों लोग आ ही नहीं सकते, सरकार झूठ बोल रही है। उनका कहना है कि इतने लोग एक जगह कैसे इकठ्ठा हो सकते हैं। यही बात समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कही थी कि सभी रेलगाड़िया खाली आ रही है, सरकार झूठ बोल रही है कि कुंभ में इतने लोग आ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री योगी पर तंज कसा है कि जो सच छुपाये वो योगी नहीं हो सकता। आरजेडी नेता मनोज झा ने कहा है कि कुंभ में ट्रक भरकर मोबाइल मिले हैं, इनके मालिक कहां है। इसके अलावा कई नेता ऐसी ही बातें कर रहे हैं और सरकार को सच बताने को कह रहे हैं। सोशल मीडिया में विपक्षी समर्थक अपने नेताओं की बातों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह अफवाह फैलाई जा रही है कि कुंभ में हजारों लोग मर गये हैं। दूसरी तरफ सरकार ने घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन कर दिया है, जो मामले की जांच करके बता देगा कि सरकार की कहां कमी रही और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इसके अलावा योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसटीएफ का भी गठन किया है क्योंकि सरकार को घटना में साजिश की बू आ रही है। कहा जा रहा है कि घटनास्थल पर घटना के समय 16000 सक्रिय मोबाइल फोन बंद हो गये है। घटनास्थल पर मौजूद इतने मोबाइल फोनों का अचानक बंद हो जाना सरकार को एक साजिश लगता है। इसके अलावा प्रत्यक्षदर्शियों ने बयान दिया है कि घटना से पहले वहां बसों में भरकर युवा आये थे और वो हुड़दंग कर रहे थे। कहा जा रहा है कि घटना इन लोगों के हुड़दंग के कारण ही हुई। मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया है क्योंकि यह राज्य सरकार की प्रतिष्ठा का सवाल है। योगी सरकार कई महीनों से इस आयोजन की तैयारी कर रही थी और दुर्घटना से पहले आयोजन सफलतापूर्वक चल रहा था और घटना के बाद भी चल रहा है। मेरा मानना है कि जल्दी ही सरकार देश के सामने सच्चाई पेश कर देगी। आज हर हाथ में मोबाइल है और इसके अलावा घटनास्थल पर मौजूद सीसीटीवी भी अपराधियों को सामने लाने की सरकार की मदद करेंगे। आप सोचिए कि जब हर हाथ में मोबाइल है तो किसी भी सरकार के लिए लोगों की मौत छुपाना कैसे संभव हो सकता है। पूरी दुनिया में इतना बड़ा आयोजन नहीं होता है, इसलिये पुलिस और प्रशासन इस आयोजन को करने के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। इसके बावजूद भगदड़ में हुई मौतों के लिए जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिये लेकिन महीनों से दिन-रात काम कर रहे पुलिस और प्रशासन के लोगों की मेहनत पर पानी फेरना ठीक नहीं है। खड़गे और अन्य विपक्षी नेता कह रहे हैं कि हजारों लोगों की मौत हो गई है तो सवाल उठता है कि उनकी लाशें कहाँ गयीं। वैसे देखा जाए तो इसका भी जवाब उन्होंने खुद दे दिया है। राजद नेता मनोज झा कह रहे हैं कि उनको दफना दिया गया है और जया बच्चन कह रही हैं कि लाशों को सीधा गंगा नदी में बहा दिया गया इसलिये गंगा प्रदूषित हो गई है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने लाशों को ठिकाने लगाने के बारे में बयान देने से पहले आपस में बात नहीं की है। सरकार को घेरने का अच्छा तरीका तो यह था कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की फौज गंगा नदी में उतरकर लाशों को बाहर निकाल देती और देश के सामने पूरी सच्चाई आ जाती। दूसरी तरफ राजद के कार्यकर्ता गंगा नदी किनारे दबाए गए लोगों को निकाल कर जनता के सामने ला सकते थे। खड़गे पहले कह रहे हैं कि हज़ारो लोग मारे गए हैं, उनकी पार्टी भी इसमें मदद कर सकती थी। विपक्षी नेताओं की बुद्धि कहाँ चली गई है जो ऐसे अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। अगर उन्हें अपनी बात सिद्ध करनी है तो हज़ारो नहीं तो कुछ लोगों के शव तो ढूंढ ही सकते थे।

दृष्टि कोण

प्रशासन और प्रदेश का आम जनमानस

प्रदेश के आम जनमानस के समग्र उत्थान के लिए वर्तमान प्रदेश सरकार की शासन व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री का दो वर्ष का कार्यकाल विभिन्न राजनीतिक एवं प्रशासनिक कारणों से देश व प्रदेश में चर्चा का विषय रहा है। प्रदेश में राजस्व, शिक्षा, विद्युत, स्वास्थ्य जैसे मूल विभागों में विकासात्मक एवं सुधारात्मक प्रयोग एवं प्रयास, भविष्य में प्रदेश के विकास की गाथा में अवश्य ही अपनी अमिट छाप छोडऩे में सफल होंगे। विगत दो वर्षों की आर्थिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक अस्थिरता या उथल-पुथल वाली परिस्थितियों के समक्ष प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अत्यधिक सुदृढ़ होकर उभरी है, जिसमें विगत वर्ष अवसरवादिता से प्रेरित राजनीतिक घटनाक्रम में कांग्रेस के छह विधायकों व तीन निर्दलीय विधायकों का प्रदेश सरकार के विरुद्ध विद्रोह प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में अविस्मरणीय घटना के रूप में दर्ज हो चुका है। इसके उपरांत वर्तमान मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की दयनीय वित्तीय स्थिति, प्रशासनिक शिथिलता, प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, विभिन्न विभागों में कार्य संस्कृति के अभाव से निपटने के सार्थक प्रयासों में अधिक स्पष्टता एवं दृढ़ता प्रकट हो रही है। इन सुधारात्मक कार्यों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभाव प्रदेश के आम जनमानस के दैनिक प्रशासनिक कार्यों में परिलक्षित होगा। देश व प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था आम नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षणकर्ता के रूप में कार्य करती है, परंतु वर्तमान परिस्तिथियों में यह भ्रष्टाचारी कारकों के संरक्षण प्रदान करने तक ही सीमित है। प्रदेश के उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य के दृष्टिगत, अल्पकालिक ही नहीं अपितु दीर्घकालिक आवश्यकताओं की संभावना को समक्ष रखते हुए, सरकार का आदर्श वाक्य 'व्यवस्था परिवर्तन' की व्यापकता को समक्ष रखते हुए, प्रदेश सरकार का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश के आम जनमानस की प्रशासनिक, सामाजिक एवं राजनीतिक आकांक्षाओं की पूर्ति करना है। परंतु प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता एवं नैतिकता जैसे कारकों का अभाव होने के परिणामस्वरूप, प्रदेश सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के मूल उद्देश्य की प्राप्ति में उपरोक्त कारकों का अभाव अवरोधक के रूप में कार्य कर रहा है। प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में इन तत्वों का अभाव दीर्घकालिक है, जिससे वर्तमान सरकार के लिए, इनका समाधान भी जटिल है। निःसंदेह दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे कारकों के परिणामस्वरूप वर्तमान सरकार इन परिस्थितियों से उबर सकती है या सफल हो सकती है। प्रदेशवासियों के समक्ष प्रशासनिक अकर्मण्यता एवं भ्रष्टाचार के अनेक ऐसे प्रत्यक्ष प्रमाण हैं, जिससे प्रदेश का आम नागरिक अत्यंत त्रस्त है। राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली सदैव ही संदेहास्पद एवं पक्षपातपूर्ण होने के कारण, आम नागरिक मानसिक एवं आर्थिक प्रताडऩा से त्रस्त है। प्रदेश सरकार इस दिशा में तत्परता के साथ कार्य भी कर रही है, परंतु इस विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भ्रष्ट प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना, प्रदेश सरकार के समक्ष सबसे बड़ी समस्या एवं चुनौती है। व्यवस्था परिवर्तन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था की इच्छा शक्ति, संकल्पशक्ति एवं संसाधनशीलता की परम आवश्यकता है। अपने संवैधानिक कत्र्तव्यों के प्रति प्रशासनिक व्यवस्था एवं जनप्रतिनिधियों को सजगता, निष्ठा एवं तत्परता के साथ कार्य करने की चेष्टा करनी होगी। अपर्याप्त प्रशासनिक एवं राजनीतिक भागीदारी के कारण अधिकांश प्रदेशवासी व्यवस्थागत हिस्सेदारी से वंचित हैं, जो कि प्रदेश में व्याप्त भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार का मुख्य आधार भी है। प्रशासनिक कार्यों में यदि आम जनमानस का परोक्ष हस्तक्षेप हो तो निश्चित रूप प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकता है। इस दिशा में प्रदेश सरकार की शिकायत निवारण हेतु, मुख्यमंत्री संकल्प योजना जैसे मंच के माध्यम से भ्रष्ट एवं पक्षपाती व्यवस्था से पीड़ित प्रदेश वासी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। इस संकल्प योजना से मिलने वाले न्यायपूर्ण एवं सार्थक परिणामों से पीड़ित पक्ष सुरक्षित महसूस करते हैं। परंतु विडंबना यह है कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था अपनी अकर्मण्यातापूर्ण एवं शिथिल कार्यसंस्कृति के कारण पीड़ित पक्ष को न्याय प्रदान करने में विफल प्रतीत हो रही है। इस संकल्प योजना की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं तत्परता से निर्णय करने की क्षमता, पीड़ित पक्ष की सरकार के साथ अपनी समस्या की प्रत्यक्ष भागीदारी को सुनिश्चित करती है, परंतु इसमें वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सुधार की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश जन शिकायतों में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को ही प्रताड़ित किया जाता है। बिना निष्पक्ष जांच के, मामलों को समाप्त कर दिया जाता है, जोकि इस योजना के मूल मंतव्य के विपरीत है।

कुछ अलग

चोर जी का सुल्फिया बयान

देवियो और सज्जनो! मैं वह चोर हूं जिसका कोई धर्म नहीं होता, जिसकी कोई जात नहीं होती। वह हर धर्म का होता है, हर जात का होता है। अपने पूरे जोशो जवास में गर्व से स्वीकारता हूं कि मैं वही चोर हूं! समाज के एक से एक हाई लेबल आदरणियों को अपने को चोर कहने में आपत्ति हो तो होती रहे, पर मुझे अपने को अपने द्वारा चोर कहने में रंच भर आपत्ति नहीं। जैसे किसी को अपने को जेंटलमैन कहलवाने पर गर्व होता है, वैसे ही मुझे अपने को चोर कहलवाने पर गर्व होता है। सच कहूं तो समाज को बचाने, चलाने की जिम्मेदारी इन तथाकथित जेंटलमैनों से अधिक चोरों के कंधों पर होती है। कारण, चोर के भीतर एक जेंटलमैन छिपा हो या न, पर एक थर्ड से थर्ड क्लास जेंटलमैन के भीतर एक चोर जरूर बसा होता है। चोरी करना कोई बुरी बात नहीं। ईमानदार से ईमानदार करते हैं। पर बुरी बात तब होती है जब चोरी करने के बाद भी अपनी चोरी को हम दूसरों के मत्थे मढ़ते हैं खुद को ईमानदार दिखाए रखने के लिए। मैं उनकी तरह नहीं जो कदम कदम पर अपने से छुपकर शिद्दत से चोरी करते हैं और ऊपर से अपनी छाती पर ईमानदारी के तमगे लगाए फिरते हैं। चेहरे पर सेहरे लगाकर चोरों के समाज में जीना मुझे कतई पसंद नहीं। भाई साहब! मैं इनकी उनकी तरह नहीं जो समाज में नंबर वन चोरियां करके अपने को कोर्ट कचहरियों में पाकसाफ घोषित करवाने को एड़ी चोटी का जोर लगाए रहते हैं। मुझसे बड़े चोर चोर होने के बाद भी भले ही वे कोर्ट कचहरियों से अपने पाकसाफ के कागज हवा में लहराते इज्जतदार बने फिरते रहें तो फिरते रहें। मैं तो चोर होने में ही खुश हूं। क्योंकि मुझे पता है कि मैं चोर हूं, सो मैं अपने को कानून को घुमा फिरा बेवजह सज्जन घोषित करवाने की कभी कोशिश नहीं करता। मैं तो इस सोच का प्रेक्टिकल चोर हूं कि चोरी करने के बाद पकड़े जाने पर जितना समय कोर्ट कचहरियों में अपने को बेचोर साबित करवाने में जाया किया जाए, उतना अपने चोरी के धंधे को और परिष्कृत करने में लगाया जाए ताकि चोरी करने में और महारत हासिल हो सके। जनाब! भगवान कण कण में व्याप्त हों या न, पर मैं कण कण में व्याप्त हूं। मैं घर घर में हूं। मैं सरकार सरकार में हूं। मैं दफ्तरों दफ्तरों में हूं। मैं कत्र्तव्यनिष्ठ से कत्र्तव्यनिष्ठ अफसरों अफसरों में हूं। कहीं मैं ए क्लास ऑनेस्ट ठेकदोर बनकर चोरी करता हूं तो कहीं चौकीदार बनकर चोरी करता हूं। कहीं मैं ऑफिस से पर्दे चुराकर ले जाता हूं तो कहीं मैं ऑफिस से चेयर मेज चुराकर ले जाता हूं। कहीं मैं सरकारी सरिया सीमेंट चुराकर ले जाता हूं तो कहीं मैं ऑफिस से ऑफिस ही चुराकर ले जाता हूं। कहीं मैं जनता का बजट चुराता हूं तो कहीं मैं देश को चुराता हूं। घर से लेकर संसद तक जितने भी माननीय, सम्माननीय पद हैं, उन सब पर मैं शान से बैठा हूं। हर स्टोर में अजगर बन लेटा हूं।डांट माइंड! मैं जानता हूं या फिर मेरा खुदा! मेरी वजह से पता नहीं कितनों को रोजगार मिला है। मेरी वजह से पता नहीं कितनों का चेहरा कमल सा खिला है। मैं रोजगारदाता हूं। मैं नकाबपोश ईमानदारों का भाग्यविधाता हूं। डांट माइंड! मेरी वजह से ही ईमानदारी का बाजार चलता है। मेरी वजह से ही बड़ों बड़ों का अवैध कारोबार चलता है। मेरी वजह से ही आदमी अपना ईमान बदलता है। इतना सब होने के बावजूद हमें समाज में सम्मान की नजरों से क्यों नहीं देखा जाता रे मेरे प्रभु!

देश दुनीया से

अत्यंत वृहद है महाकुंभ का मर्म

कुंभ का शब्दार्थ है- घड़ा अर्थात कलश। कुंभ का जीवनार्थ है- काया व मन को पंचतत्त्वों के प्रत्यक्ष स्पर्श में लाकर आत्मसाधना की ओर अग्रसर होना। कुंभावधि में जल नामक तत्त्व गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर अमृतोन्मुखी हो उठता है। कुंभ के वृहद स्वरूप महाकुंभ में जलतत्त्व के अमृत संपर्क में आकर आत्ममुखी होने का अवसर है महाकुंभी आयोजन। गत तेरह जनवरी से प्रारंभ हुई यह आस्थायात्रा 26 फरवरी 2025 तक चलेगी। अ_ारह पुराणों से होते हुए चार वेदों तथा असंबद्ध रूप में 108 व मुख्यतः 13 उपनिषदों में समाहित पंचांग स्थिति (तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण/नभ, पृथ्वी, वायु, जल तथा अग्नि) द्वारा शुभाशुभ समय के निर्धारण के उपरांत नियत महाकुंभ आयोजन की पौराणिक कथा मूलतः विष्णु पुराण में पुरोल्लिखित हुई थी। इसके अनुसार, महर्षि दुर्वासा के श्राप द्वारा स्वर्ग ऐश्वर्य, धन, वैभव इत्यादि से रहित हो गया था। फलतः इन्द्रादि देवता शक्तिहीन हो गए। सहायतार्थ देवताओं ने भगवान विष्णु की शरणागति की। भगवान ने उन्हें असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन का उपाय बताया। भगवान ने उन्हें बताया कि मंथन से अमृत प्राप्त होगा, जिसका पान करके वे सभी अमर हो जाएंगे। असुर राजा बलि को देवताओं ने यह युक्ति बताई। वह भी अमरत्व के लोभवश समुद्र मंथन हेतु तैयार हो गया। देवासुरों ने वासुकि नाग की रस्सी बनाकर मंदराचल पर्वत की सहायता से सागर मथना प्रारंभ किया। परिणामस्वरूप एक-एक कर 14 रत्न निकले। इनमें हलाहल विष, कामधेनु गाय, उच्चैःश्रवा अश्व, ऐरावत गज, कौस्तुभ मणि,

कल्पवृक्ष, रंभा नामक अप्सरा, देवी लक्ष्मी, वारुणी अर्थात मदिरा, चन्द्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख, भगवान धन्वन्तरि तथा अमृतकुंभ सम्मिलित थे। इसी अमृत का पान करने दानव परस्पर छल-बल करने लगे। इस पारस्परिक संघर्ष में वे अमृतकुंभ लेकर यहां-वहां दौड़े। दौड़ाभागी में कुंभ से अमृत की बूंदें छलककर प्रयागराज, नासिक, उज्जैन एवं हरिद्वार में गिर पड़ीं। जिस क्रम में वे जहां गिरीं, वहीं उस स्थान पर समयक्रमानुसार छह वर्ष में अद्र्धकुंभ एवं बारह वर्षों में एक बार कुंभ का आयोजन होता है। तत्कालीन देवासुरों के विशाल अस्तित्व के अनुरूप सृजित अमृत की बूंदें आज के युग के मानवों हेतु नदी के समान ही हैं। प्रायः 12 वर्ष के समयचक्र में होने वाले कुंभ की समयावधि में बृहस्पति, सूर्य व चंद्रमा एक साथ एक दिशा एक स्थिति में विद्यमान होते हैं, किंतु बृहस्पति जब मकर राशि में तथा सूर्य व चंद्रमा अन्य शुभ स्थानों पर विराजित होते हैं, तब महाकुंभ का धरायण होता है। खगोलीय एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 12 कुंभ घटियों के बाद 144 वर्ष का योग बनता है। इस बार यही संयोग है। कलियुग में एक व्यक्ति की दो पीढियों को ऐसा अवसर नहीं मिल पाता है। जिन व्यक्तियों की आयु इस समय तीस वर्ष से अधिक है, उनमें से अधिसंख्य के दादाओं और पिताओं के जीवनकाल में महाकुंभ की स्थिति उत्पन्न ही नहीं हुई। कुंभ के पौराणिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ असीमित हैं। इन अर्थों को व्यक्तिगत योग चेतना के माध्यम से ही अनुभव किया जा सकता है। कुंभ का मर्म पापमुक्ति एवं मोक्षप्राप्ति से भी गहन है। यदि व्यक्ति के अंदर प्राकृतिक उत्सव में संचित होकर जीवन के प्रति अंतर्दृष्टि खोलने की उत्कट इच्छा है तो उसके लिए महाकुंभ सर्वोत्तम अवसर है। प्रकृति के पंचतत्त्वों में से एक है नीर। प्रत्यक्ष दिखाई देतीं नीरवाहिनी नदियां गंगा, यमुना व अदृश्य रूप में विद्यमान सरस्वती के संगमस्थल के प्रति आस्था, कृतज्ञता एवं सम्मान प्रदर्शित करने का विशाल, भव्य व अद्भुत सम्मेलन संसार में कहां है! इस पावन समय में यह स्थल अलौकिक शोभा एवं सौंदर्य के साथ चमत्कृत है। इस शुभघड़ी में तीनों सरिताओं के अमृतमय नीर द्वारा क्षयमान शरीर को चेतना प्रदान कर, मंगल स्नान कर और निज क्षमता से ध्यान धर कर व्यक्ति के मन में मौन होने, आध्यात्मिक होने का जो विचारबल प्रस्फुटित होता है, वास्तव में वही महाकुंभ का वास्तविक प्रसाद है, जिसे प्राप्त करने करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन माहभर तक प्रयागराज में एकत्र होते रहेंगे। यह विचित्र एवं आश्चर्यचकित करने वाला अनुभव है कि दुनिया के कई देशों की कुल जनसंख्या एक करोड़ भी नहीं है, किंतु महाकुंभ में अब तक इस लेख के लिखे जाने तक पंद्रह करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम वारिप्रवाह में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ विशुद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं दार्शनिक आयोजन है। इसमें किसी भी अनावश्यक बाह्य विचार की आवश्यकता है ही नहीं। यह आत्मज्ञान प्राप्ति का प्राकृतिक उत्स है। यह वही अनुभव कर सकता है, जो रिक्त मन से कुंभ का भागीदार बनता है। पूर्वाग्रह से मुक्त होकर तथा उदार हृदय के साथ इस उत्सव का आत्मसाक्षात्कार करने पर निश्चय ही स्वर्गसम अनुभूतियां प्राप्त होती हैं। करोड़ों-करोड़ देशी-विदेशी लोगों की विशुद्ध आस्था को उनके पवित्र आचरण, अप्रतिम हाव-भाव, पंचतत्त्वों के प्रति उनकी सर्वांगीण भंगिमा के माध्यम से भलीभांति अनुभूत किया जा सकता है। इस पौराणिक संयोजन द्वारा श्रद्धालुओं में इतना आत्मिक प्रभाव उत्पन्न होता है कि वे भौतिक व प्रकट जीवन के कष्टकंटकों को भी पुष्पस्पर्श समझने लगते हैं। महाकुंभ द्वारा प्रज्वलित आत्मदीप्ति में जीवन की वास्तविकता वही देख सकता है तथा इससे स्थायी मुक्ति की अभिलाषा भी वही वरण कर सकता है, जो आस्थावान होकर संगम तट के अंश-अंश को अंगीकार करता है। यह दुर्लभ गति अप्रतिम है। इस गति में प्रवाहित होने का आत्मभाव विराट है। यह अपरिभाषित है। यह केवल और केवल अनुभव के वशीभूत है। महाकुंभ के पौराणिक उपक्रमों- जैसे शाही स्नान, अखाड़ा स्नान, साधु-संतों के स्नान, मौनी अमावस्या एवं बसंत पंचमी के स्नान के सामानांतर इस मेले में उपस्थित होकर जो तटस्थ प्राकृतिक ऊर्जा सामान्य व्यक्ति को प्राप्त हो रही है।

आप का नजरीया

सियासत में वैमनस्य भाव

जिस खेत का बीज बंट जाए, उसकी फसल की कीमत क्या होगी। सरकार की हाजिरी में विपक्ष की नाराजगी का एक पक्ष तो समझ आता है, लेकिन यहां तो सरहदें मापी जा रही हैं ईमानदारी के दस्तूर से। एक मत किसी को सरकार, किसी को विपक्ष बना गया, लेकिन यह क्या कि आपने जनता को बांटने के हर्फ सीख लिए। भाजपा विधायकों ने डंके की चोट पर विधायक प्राथमिक बैठकों का विरोध चुना था, इसलिए ये कांग्रेस के लिए, कांग्रेस के पक्ष में एकतरफा खड़ी कर दी गईं। सरकार के दो वर्षों का फासला इतना बढ़ गया कि प्रदेश की छत के नीचे दो परस्पर विरोधी दीवारें टकरा रही हैं और ईंटें हिमाचल की हराम होने लगीं। भाजपा की घुटन का पैगाम सख्त है, इसलिए विधायक प्राथमिकताएं पांव रगड़ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि बैठकें सजावटी हैं और चुने हुए विपक्षी विधायकों का अपमान सरकार की हर फाइल कर रही है। योजनाएं-परियोजनाएं बस छूकर चली जाती हैं या सरकार की कार्यशैली विपक्ष के प्रति ऐसा वैमनस्य भाव है कि बैठकों का बहिष्कार करना पड़ रहा है। यहां सवाल जनता की लोकतंत्र में भागीदारी तक उठता है। असल में विधायक प्राथमिकता बैठक है तो हलके की जनता की उम्मीदों की भागीदारी। जो भी गुण-दोष हैं, वे एकतरफा नहीं, बल्कि राजनीति के समंदर में मुद्दों की मछलियों का शिकार है। सारा ताना-बाना सत्ता की चमक और विपक्ष की धमक है, वरना प्रदेश को आगे बढ़ाने की ईमानदारी तो हर तरफ से कमजोर प्रतीत होती है। जो प्रदेश में विपक्ष है, वह केंद्र में सत्ता का शिखर है तो क्या वहां से निकली ईमानदारी हिमाचल पहुंच रही है। इधर हिमाचल में जिन्हें सत्ता मिली, क्या वो कांग्रेस सरकार ईमानदारी का परचम फैला रही है। बेशक दर्द के वाक्यात सत्ता के सीने में सुराख करके बैठे हैं और जिस घटनाक्रम में राज्यसभा की सीट कांग्रेस से खिसक गई, वह नींद हराम कर रही है। हम कहना यह चाहते हैं कि हमारे सामने स्वांग बदल कर दोनों पार्टियां अपने पैमानों में सियासत भर-भर कर जनता की लोकतांत्रिक भागीदारी को अभिशप्त करती रही हैं और यही मुकाबला आज विधायक प्राथमिक बैठकों तक पहुंच गया। विपक्षी विरोध की पीड़ा के आंकड़े और सबूत होंगे, लेकिन ऐसा भी क्या कि हर बार कोई विधानसभा क्षेत्र 'विपक्ष' की झोली में जाकर मजबूर हो जाता है। अचानक सत्ता की देखरेख में कुछ विधानसभा क्षेत्र चमक जाते हैं और अनेक अपाहिज हो जाते हैं। मसलन एक दशक की त्रासदी में केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर जितने दंश भुगत रहा है, उन्हें हम भाजपा और कांग्रेस के बीच बराबरी से बांट सकते हैं। होते हैं यहां बड़े-बड़े खेल मियां, ये सियासी बिसात की सौदेबाजी है। हर कोई दुकान सजा के बैठा है और हम हर बार अपना वोट भुना रहे हैं। किसी ने विधायक प्राथमिकता बैठक में जाकर हमारे मत को भुनाया और कोई विरोध में बहिष्कार करके जनता के सवाल भुना रहा है। यह साबित करता है कि हिमाचल अब सत्ता का कुनबा बनकर प्रदेश के संसाधनों का दोहन कर रहा है। तमाम पद और पदवियां, योजनाएं-परियोजनाएं, मंच और मचान तथा समस्या और समाधान, इस बात पर निर्भर करते हैं कि आपका विधानसभा क्षेत्र किस तरफ बैठा है।

सरकार *विकास भी-विरासत भी* की अवधारणा के साथ कर रही काम : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मंदिर सनातन संस्कृति की आत्मा हैं। धार्मिक आस्था के प्रतीक होने के साथ-साथ मंदिर हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना के भी प्रमुख केंद्र हैं। हमारी सरकार प्रदेश में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। शर्मा बुधवार को जालोर के नरसाणा में दूदेश्वर महादेव मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंदिरों ने भारतीय परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों को संरक्षित करने का काम किया है। उन्होंने नरसाणा में भव्य दूदेश्वर महादेव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी और कहा कि यहां भोले भंडारी महादेव की कृपा बरसेगी और यह मंदिर एक महत्वपूर्ण आस्था स्थल के रूप में उभरकर सामने आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व से देश में सनातन संस्कृति को एक नई ऊर्जा मिली है। प्रधानमंत्री *विकास भी-विरासत भी* की अवधारणा को आत्मसात करते हुए चल रहे हैं। उनके नेतृत्व में 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा,

भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर के विकास कार्य तथा केदार घाटी का पुनर्निर्माण हुआ है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेशभर में मंदिरों एवं आस्था स्थलों के विकास कार्य करवा रही है। सरकार वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को अयोध्या, पशुपतिनाथ, काठमांडू एवं अन्य तीर्थस्थलों की यात्रा करवा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाटूश्याम मंदिर के लिए 100 करोड़ रुपए के कार्य, पूंछरी का लौठा में विकास कार्य, 600 मंदिरों में विभिन्न अवसरों पर विशेष साज-सज्जा और आरती कार्यक्रम, पुष्कर अजमेर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर सहित आस्थाधामों के लिए सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं के कार्य करवाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास के लिए रोडमैप तैयार किया है। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे निर्णयों से जहां पानी की आवश्यकता को पूरा किया जा रहा है। वहीं, प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लगातार एमओयू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। पेपरलीक प्रकरणों पर सख्त कार्यवाही करते हुए भर्ती परीक्षाएं अब पारदर्शिता के साथ आयोजित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला, युवा, मजदूर और किसानों के हित के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है। हमने संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर लिए हैं तथा प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दूदेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सांसद लुंबाराम चौधरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, संत एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

समाज और राष्ट्र के लिए जो कार्य करते हैं वही महान होते हैं : राज्यपाल

बार्शी /जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि जो अपने लिए नहीं संपूर्ण समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हैं वही सच्चे सम्मान के हकदार बनते हैं। वही महानता को प्राप्त कर पूजनीय होते हैं। उन्होंने बुधवार को महाराष्ट्र के बार्शी में शिवाजी शिक्षण प्रसारक मंडल बार्शी संस्था के संस्थापक कर्मवीर डॉ. मामासाहेब जगदाले की 122 वीं जयंती समारोह पर पद्म विभूषण रघुनाथ माशेलकर और पद्म विभूषण अनिल काकोडकर को कर्मवीर डॉ. मामासाहेब जगदाले समाज परिवर्तन गौरव पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यपाल ने इन दोनों समाज विभूतियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि डॉ. माशेलकर पॉलिमर विज्ञान और इंजीनियरिंग क्षेत्र के मर्मज्ञ विद्वान हैं। भारतीय स्वास्थ्य सेवा और नवाचार के भविष्य को लेकर उन्होंने देश को महती सेवाएं दी है। इसी प्रकार पद्म विभूषण अनिल काकोडकर ने परमाणु ऊर्जा और रक्षा सेवा में महती योगदान दिया है। वे देश में परमाणु संशोधन के मुख्य दस्ते के सदस्य रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों के सम्मान से दूसरों को भी राष्ट्र के लिए निरंतर कुछ करने की प्रेरणा मिलती है।

पूर्व मंत्री रामलाल जाट के खिलाफ होगी सीबीआई जांच

जोधपुर (हिंस)। पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट के खिलाफ पांच करोड़ के धोखाधड़ी केस में सीबीआई जांच होगी। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीबीआई निदेशक को पूर्व मंत्री सहित 5 लोगों के खिलाफ भीलवाड़ा के करेड़ा थाने में दर्ज दो एफआईआर (संख्या 234/2024 और संख्या 202/2024) की जांच अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया है। राजसमंद के माइनिंग व्यवसायी परमेश्वर जोशी ने आरोप लगाया था कि करोड़ों रुपए की ग्रेनाइट माइंस में 50 प्रतिशत शेयर मंत्री ने छोटे भाई के बेटे और उसकी पत्नी के नाम करवाए थे। इसके बदले 5 करोड़ रुपए देने का वादा किया था। लेकिन, डॉक्युमेंट नाम कराने के बाद रुपए नहीं दिए गए। मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के जज फरजंद अली ने कांग्रेस नेता रामलाल जाट के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए। जानकारी के अनुसार माइनिंग व्यवसायी परमेश्वर ने मामले में प्रभावी लोगों के शामिल होने के चलते सीबीआई जांच की मांग की थी। हाईकोर्ट ने सीबीआई को केस डायरी समेत अन्य डॉक्युमेंट्स लेकर निष्पक्ष जांच करने के आदेश दिए हैं। वहीं डिप्टी सॉलिसीटर जनरल मुकेश राजपुरोहित को इस आदेश को सीबीआई अधिकारियों को सूचित करने को कहा है। माइनिंग व्यवसायी राजसमंद के गढ़बोर निवासी परमेश्वर पुत्र रामलाल जोशी ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया था कि वह करेड़ा के रघुनाथपुरा में मैसर्स अरावली ग्रेनि मार्मो प्रा.लि. नाम से ग्रेनाइट माइंस का काम करता है। माइंस में वह डायरेक्टर और शेयर होल्डर है। इस कंपनी का रजिस्ट्रेशन श्याम सुंदर गोयल और चंद्रकांत शुक्ला के नाम से है। जिस समय कंपनी का रजिस्ट्रेशन हुआ था, उस समय परमेश्वर श्याम सुंदर और चंद्रकांत से 10 करोड़ रुपए मांगता था। इसके चलते इन दोनों ने माइंस के 50 प्रतिशत शेयर परमेश्वर और उसकी पत्नी भव्या जोशी के नाम पर कर दिए थे। रिश्तेदारों के नाम करवाए शेयरआरोप है कि बाकी के 50 प्रतिशत शेयर का सौदा श्याम सुंदर और चंद्रकांत ने पूर्व मंत्री रामलाल जाट से कर दिया। रामलाल जाट ने माइंस के शेयर अपने रिश्तेदार मोना चौधरी और सुरेश जाट के नाम पर करवा दिए। इन शेयर के पैसे पूर्व मंत्री को देने थे। परमेश्वर (माइनिंग कारोबारी) श्याम सुंदर और चंद्रकांत से 5 करोड़ रुपए और मांगता था।

राजस्थान बोर्ड परीक्षाएं छह मार्च से होंगी शुरू, 20 लाख परीक्षार्थी

अजमेर (हिंस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में राज्य के 19 लाख 98 हजार 509 से भी अधिक परीक्षार्थियों का भविष्य तथा उनके अभिभावकों के भावी सपने और आकांक्षाएं जुड़ी हैं। 6 मार्च से शुरू हो रही बोर्ड परीक्षाओं के साथ राज्य की प्रतिष्ठा एवं गरिमा भी जुड़ी है। परीक्षा की प्रतिष्ठा पूरे देश में है इसकी पवित्रता व गोपनीयता हर हाल में कायम रहे। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय पर प्रश्न-पत्र पहुंचने के उपरान्त परीक्षा समाप्ति तक प्रश्न पत्रों की गोपनीयता व सुरक्षा की संपूर्ण जिम्मेदारी जिला परीक्षा संचालन समिति की ही रहेगी। बोर्ड का केंद्रीय नियंत्रण कक्ष एक मार्च से 5 अप्रैल तक 24 घण्टे कार्यरत रहेगा। राज्य के सभी संवेदनशील, अतिसंवदेनशील तथा चयनित परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न-पत्रों की अलमारी से प्रश्न-पत्र निकालने से लेकर केंद्र पर लिफाफे खोलने, वितरण करने एवं परीक्षा आयोजन आदि की प्रतिदिन वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी द्वारा निगरानी कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त अन्य जिलों में किसी एक उड़नदस्ते से प्रतिदिन रोटेशन से वीडियोग्राफी की व्यवस्था भी कराई जाएगी। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 0145-2632866, 2632867, 2632868 पर संपर्क किया जा सकेगा। बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा राज्य के विभिन्न जिलों से आए जिला शिक्षा अधिकारियों को दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं सुव्यवस्थित सुचितापूर्ण करवाने एवं उत्तर पुस्तिकाओं का गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध मूल्यांकन करने के निर्देश दे रहे थे। समन्वय केंद्रधीक्षक, अतिरिक्त केंद्राधीक्षक, माईक्रोऑब्जर्वर जैसे महत्वूपूर्ण कार्यों के लिए स्वच्छ छवि के कार्मिकों को नियुक्त करने के लिए उन्होंने निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल, रोशनी एवं दिव्यांगजनों के लिए समुचित व्यवस्था पूर्व में ही सुनिश्चित करने को कहा गया है। परीक्षा पत्रों की सुरक्षा के लिए अतिसंवेदनशीलता बरती जाने तथा परीक्षा केंद्रों के प्रश्न पत्र पुलिस थाने में शिक्षा विभाग की अलमारियों में रखे जाने। प्रश्न पत्र के परिवहन के लिए वाहनों का चिन्हीकरण कर सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इंतजाम किए जाने की जिम्मेदारी पहले से सुनिश्चित की जाएं। बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि बोर्ड पर रीट एवं बोर्ड परीक्षाएं करवाने का चुनौतीपूर्ण दायित्व है।

केंद्रीय बजट के विरोध में एसकेएम सहित ट्रेड यूनियनों का प्रदर्शन, जलाई प्रतियां

यमुनानगर (हिंस)। केंद्रीय बजट के विरोध में एसकेएम, आंगनबाड़ी, मिड डे मील, आशा वर्कर्स सहित अन्य ट्रेड यूनियनों ने बुधवार को संयुक्त रूप से लघु सचिवालय के सामने इकट्ठा होकर प्रदर्शन किया। केंद्रीय बजट की प्रतियों को जलाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर भाकियू (टिकैत) के जिला प्रधान सुभाष गुर्जर ने कहा कि आज पूरे देश में एसकेएम के द्वारा केंद्रित बजट को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बजट में किसानों के लिए कुछ नहीं कियाए बल्कि किसानों को और कर्ज देने की बात की। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि किसान कर्ज में डूबा रहे और वह मजदूरी करने पर मजबूर हो जाए। उसके बाद उनकी जमीनों को कॉर्पोरेट के हाथ बेच दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में एमएसपी, स्वामीनाथन रिपोर्ट, फसलों के लिए बीज, कीटनाशक दवाइयां व खेती उपकरणों पर कोई कोई बात नहीं कही। यह बजट केवल किसान, मजदूर, गरीब के साथ छलावा है इसके अलावा कुछ भी नहीं। वहीं अखिल भारतीय किसान सभा के संयोजक जरनैल सिंह सांगवान ने कहा कि केंद्र सरकार इस बजट में केवल 12 लाख रुपए की आय तक की छूट का झूठा डिंडोरा पीट रही है। जबकि हकीकत इससे कोसों दूर है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बताए की कुल कितने प्रतिशत लोग हैं जिनको 12 लाख रुपए तक की आय की छूट का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बजट में सरकार छूट देने की बजाए छोटे और मझले उद्योगों को कारोबारी टैक्स की छूट दे ताकि व्यापार और रोजगार बढ़े। उन्होंने कहा कि वहीं स्वामीनाथन रिपोर्ट और एमएसपी जैसे मुद्दों को लागू करे।

अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर अमृतसर पहुंचा अमेरिकी विमान

चंडीगढ़/अहमदाबाद (हिंस)। अमेरिकी वायुसेना का विमान सी-17 बुधवार दोपहर को *अवैध* प्रवासी भारतीयों को लेकर पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर पहुंचा। यह *अवैध* प्रवासी भारतीयों का पहला जत्था है। इस विमान में पहुंचे प्रवासी भारतीयों की संख्या की आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन एयरपोर्ट के सूत्रों ने इनकी संख्या 104 बतायी है। अमेरिका ने करीब 18 हजार ऐसे भारतीयों की पहचान की है, जो वहां कथित तौर पर अवैध रूप से रह रहे हैं। सभी को भारत भेजा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रवासी भारतीयों में गुजरात के 33, पंजाब के 30, उत्तर प्रदेश के तीन, हरियाणा के 33, चंडीगढ़ के दो, महाराष्ट्र के तीन लोग शामिल हैं। इमिग्रेशन अधिकारी

उनके कागज और रेकॉर्ड विधिवत चेक करने के बाद उन्हें उनके शहरों के लिए रवाना करेंगे। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ के लोगों को सड़क मार्ग से रवाना किया जाएगा। गुजरात के लोगों को गुरुवार को दिल्ली से अहमदाबाद की उड़ान से रवाना किया जाएगा। इसे लेकर अहमदाबाद पुलिस को अलर्ट किया गया है। गुजरात के ये लोग गुरुवार सुबह 6.30 बजे इंडिगो की उड़ान से दिल्ली से अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इनमें अहमदाबाद, मेहसाणा, गांधीनगर, भरुच, वडोदरा और पाटण के लोग शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही ये स्पष्ट कर दिया था कि वे ऐसे किसी भी प्रवासी को नहीं रहने देंगे जिनके पास वैध दस्तावेज ना हों। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने अपने वादे को पूरा किया और बीते कुछ दिनों से अमेरिका दुनियाभर के देशों से आए और अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई कर रहा है।

आजमगढ़ के प्रधान डाकघर में सीबीआई का छापा, रिश्वत मांगने वाले तीन गिरफ्तार

आजमगढ़ (हिंस)। जिले के प्रधान डाकघर में तैनात कर्मियों द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत पर मंगलवार को सीबीआई की टीम ने प्रधान डाकघर में छापेमारी करते हुए सब डिवीजनल इंस्पेक्टर, ओवरसीयर और डाक सहायक को गिरफ्तार किया है। एक व्यक्ति का चयन रसूलपुर नंदलाल शाखा में शाखा पोस्ट मास्टर ग्रामीण डाक सेवा के पद पर हुआ है। सब डिवीजनल इंस्पेक्टर, ओवरसीयर हेड और पोस्टल असिस्टेंट हेड ऑफिस द्वारा इस पद पर कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति देने के लिए 25 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। जब उसने उनसे बात की तो वह 25 हजार के बजाए 10 हजार रुपए पर राजी हो गए थे। इस शिकायत पर सीबीआई के अधिकारियों द्वारा पूरी योजना के तहत मंगलवार को प्रधान डाकघर में छापामारी की गई और तीनों रिश्वत मांगने वाले कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई टीम ने डाकघर से सब डिवीजनल इंस्पेक्टर रमेश कुमार, ओवरसीयर हेड ब्रिकेश पांडेय और पोस्टल असिस्टेंट हेड ऑफिस अच्छेलाल को गिरफ्तार किया। छापेमारी इतने गुप्त तरीके से की गई कि जिले की पुलिस को भी इसकी भनक तक नहीं लग सकी।

सबको बीमा अभियान के तहत बीमा रथ को दिखाई हरी झंडी

जयपुर (हिंस)। सबको बीमा अभियान-2047 के तहत बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट जयपुर से बीमा रथ को रवाना किया गया। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने बीमा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान भारतीय प्रशासनिक सेवा के नवनियुक्त 18 प्रशिक्षु अधिकारी भी मौजूद रहे। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के संयुक्त निदेशक राकेश मीणा ने बताया कि बीमा रथ का संचालन सबको बीमा अभियान के तहत जयपुर जिले में आमजन के बीच प्रचार प्रसार एवं जन जागरुकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। बीमा रथ को हरी झंडी दिखाने के दौरान बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में शिरकत कर रहे अतिथियों एवं आमजन को बीमा रथ की उपयोगिता एवं बीमा प्रक्रिया के साथ-साथ बीमा से होने वाले लाभ की जानकारियों से रूबरू करवाया।

महाकुंभ का ऐसा प्रबंधन योगी के अतिरिक्त कोई नहीं कर सकता : सतपाल महाराज

भगदड़ के साजिशकर्ताओं का जल्द हो पर्दाफाश

महाकुंभ नगर (हिंस)। विश्व के सबसे विशाल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का प्रबंधन करना हर किसी के बस की बात नहीं है, ऐसा कार्य योगी जैसे योजनाकार कुशल राजनीतिज्ञ ही कर सकते हैं। महाकुंभ में हुई भगदड़ के साजिशकर्ताओं का अतिशीघ्र पर्दाफाश होना चाहिए। यह बात बुधवार को उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कही। उन्होंने प्रयागराज में बसंत पंचमी के अवसर पर महाकुंभ का तीसरा अमृत स्नान के निर्विघ्न संपन्न होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाकुंभ में पवित्र संगम में डुबकी लगाने पर मुख्यमंत्री योगी के कुशल प्रबंधन की तारीफ की और उनसे मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के दौरान हुई भगदड़ की घटना की जांच कर साजिश का पर्दाफाश करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि गंगा, यमुना और सरस्वती हमारे जीवन

का आधार हैं, ये धाराएं हमारी लाइफ लाइन हैं। इसलिए इनका सम्मान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे विशाल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का प्रबंधन करना हर किसी के बस की बात नहीं है, ऐसा कार्य योगी जैसे योजनाकार कुशल राजनीतिज्ञ ही कर सकते हैं। श्री महाराज ने कहा कि प्रयागराज कुंभ में देश-दुनिया से आए करोड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई।

किशोरी की हत्या करने वाला युवक गिरफ्तार, शराब के नशे में किया था दुष्कर्म का प्रयास

कानपुर (हिंस)। महाराजपुर में 14 साल की किशोरी की हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। बुधवार को डीसीपी पूर्वी ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि गांव के ही रहने वाले एक युवक ने गलत नीयत से बच्ची को पकड़कर दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा। बच्ची के विरोध करने पर उसे उठाकर पटक दिया और फिर गला दबाकर उसकी निर्मम हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी एस के सिंह ने को प्रेस वार्ता कर बताया कि बीती 27 जनवरी की शाम महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिखटिया निवासी रामनरेश रौदास की 14 वर्षीय पुत्री बकरी खोजने खेतों में गई थी लेकिन देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो घबराए परिजनों ने देर रात पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश में जुट गई। इस बीच 30 जनवरी की सुबह गांव के पास लक्से भट्टे के सामने अरहर के खेत से किशोरी का शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश और भी तेज कर दी। विवेचना के दौरान पीड़ित के पड़ोस में रहने वाले उदयभान नाम के युवक पर शक हुआ। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई। तो उसने चौकाने वाला खुलासा करते हुए अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि 27 जनवरी को उसने शराब का सेवन कर रखा था। नशे की हालत में उसने बच्ची को खेतों की तरफ जाते हुए देखा। तो उसने पूछा कि कहां जा रही हो ? इस पर बच्ची ने कहा कि उसकी बकरी खो गई है। उसी को ढूंढने जा रही हूं। बच्ची को अकेला पाकर आरोपी गलत नीयत से बच्ची को खेत ले गया और जबरन उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा। लड़की ने उसका विरोध करते हुए कहा कि मै तुम्हे जानती हूं। अपने घर वालों को जाकर सब कुछ बता दूंगी। इस पर उदयभान बहुत डर गया और उसने बच्ची को उठाकर पटक दिया। फिर गला दबाकर उसकी निर्मम हत्या कर दी।

बिहार एनडीए दल के नेताओं ने दिखाई एकता, लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने का किया दावा

पटना (हिंस)। एनडीए दल के नेता 2025 में होने वाले विधान सभा चुनाव को लेकर कमर कस लिया है और समय समय पर अपने एकता का परिचय देते रहते है। इस क्रम में बुधवार को जदयू कार्यालय में एनडीए दल के प्रदेश अध्यक्षों ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता की, जिसमें सभी ने चट्टानी एकता के साथ लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने का दावा करते हुए विपक्ष इस चुनाव में बड़ी पटखनी देने की बात कही। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशावाहा ने कहा कि अब तक 2 चरणों में हुए एनडीए सम्मेलन के दौरान तमाम एनडीए कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास, उल्लास और शानदार उपस्थिति देखकर हमें पूर्ण विश्वास है कि 2025 में विपक्षी गठबंधन एक-एक सीट के लिए तरस जाएगा। मोदी-नीतीश की बेजोड़ और बेमिसाल जोड़ी के प्रति आम-जनता में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सत्य के उपासक थे और उनकी कर्मभूमि से एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आगाज इसी संकल्प के साथ हुआ है कि झूठ फैलाने वाली ताकतों का मंसूबा ध्वस्त करना है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि *2025 में 225 और फिर से नीतीश*

के मिशन को आम जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को उम्मीद से अधिक सफलता मिल रही है। कड़ाके की ठंड में कार्यक्रम शुरु हुआ था लेकिन अब धीरे-धीरे मौसम और माहौल में गर्मी बढ़ने लगा है। एनडीए के कार्यकर्तागण भगवान सूर्य से ऊर्जा प्राप्त कर चट्टानी एकता के साथ लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बड़े रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का अभूतपूर्व विकास हो रहा है और आने वाले दिनों में विकसित बिहार का स्वरूप सबसे अलग होगा। राज्य कैबिनेट की बैठक में एक साथ 136 विकास योजनाओं की स्वीकृति अपने आप में ऐतिहासिक कदम है। लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि पंचायत स्तर से बूथ स्तर तक एनडीए के तमाम कार्यकर्ता अब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एनडीए के शीर्ष नेतृत्व द्वारा निचले स्तर तक जो सामंजस्यता और एकता बनाने का निर्देश प्राप्त हुआ था उसमें हमें बहुत बड़ी सफलता मिली है। हम (से) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार ने कहा कि 19 वर्षों के दौरान जो काम हुए हैं उसको लेकर जनता खासा उत्साहित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी, श्री चिराग पासवान एवं उपेन्द्र कुशवाहा के प्रति आम जनता में विश्वास का भाव उमड़ा है। रालोमो के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने कहा कि पांचों दलों के तमाम कार्यकर्तागण पूरे मन और ईमानदारी से मिशन 225 के मिशन को कामयाब बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। विपक्ष लड़ाई में दूर-दूर तक नजर नहीं आएगा।

तेजस्वी ने गिरती कानून-व्यवस्था को लेकर राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आज सुबह राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय से मिलकर बिहार की ध्वस्त विधि व्यवस्था को लेकर ज्ञापन दिया हूं। राज्यपाल महोदय को प्रदेश में व्याप्त अराजक स्थिति से अवगत कराया हूं। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की बदहाल कानून व्यवस्था के कारण राज्य में प्रतिदिन हत्या, गोलीबारी, बलात्कार, लूट, चोरी, छिनतई व रंगदारी की रिकॉर्ड तोड़ घटनाएं हो रही हैं। शराब और नशीलें पदार्थों की तस्करी चरम पर है। प्रति माह सैकड़ों लोगों की हत्याएं हो रही है। पुलिस प्रशासन जाति-धर्म देखकर आम नागरिकों पर अत्याचार कर रही है। विशेषरूप से मुसलमानों को लक्षित कर प्रताड़ित

किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि सत्ता संरक्षण में अपराधियों के हौसले बुलंद है। खुद राज्य सरकार के मंत्री सत्ता संपोषित अपराध को खुलेआम स्वीकार कर रहे है। राज्य और केंद्र के मंत्री सैंकड़ों राउंड फायरिंग को जायज़ ठहरा रहे है। प्रदेश में अराजकता और अव्यवस्था की चिंताजनक स्थिति है। मुख्यमंत्री इन सबसे बेखबर है।

भारत एआई और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार : ऑल्टमैन

नई दिल्ली

भारत कृत्रिम मेधा (एआई) और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने बुधवार को यहां केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही।

भारत की यात्रा पर आए ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत सामान्य रूप से एआई के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, विशेष रूप से 'ओपन' एआई के लिए यह हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत को अपने पूर्ण मॉडल के साथ एआई क्रांति के अगुआ देशों में शामिल होना चाहिए।

अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान सैम ऑल्टमैन ने कहा कि देश में पिछले साल ओपनएआई के उपयोगकर्ताओं की संख्या तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने स्टैक, चिप्स, मॉडल और "अविश्वसनीय अनुप्रयोगों" के सभी स्तरों पर एआई के निर्माण में भारत के प्रयासों की जोरदार सराहना की। उन्होंने भारत को एआई के क्षेत्र में पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमें प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। सैम ने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की सराहना की है। वैष्णव ने इस बातचीत के दौरान कहा कि नवाचार दुनिया में कहीं भी हो सकता है तो "यह भारत में क्यों नहीं होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि ऑल्टमैन की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब ओपनएआई और एआई के प्रभुत्व को अचानक चीनी कंपनी डीपसीक द्वारा चुनौती मिल रही है। डीपसीक अपने कम लागत वाले एआई मॉडल आर1 के साथ लोगों का का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, जिसे 60 लाख अमेरिकी डॉलर से भी कम लागत में बनाया गया है। डीपसीक, चैटजीपीटी को पीछे छोड़ते हुए एप्पल के ऐप स्टोर पर शीर्ष रैंक वाला मुफ्त ऐप भी बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

नया इनकम टैक्स कानून करदाताओं की जिंदगी आसाना बनाएगा : अग्रवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में नया इनकम टैक्स कानून लाने की बात कही थी। इस घोषणा के बाद से ही टैक्सपेयर्स के बीच यह कयास शुरू हुआ है कि आखिर नया इनकम टैक्स कानून कैसा होगा और इसका उन पर क्या असर होगा। टैक्सपेयर्स की दुविधा और शंका को शांत कर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने बताया कि नया इनकम टैक्स कानून प्रत्यक्ष कर को काफी आसान करेगा और करदाता की जिंदगी भी आसान होगी। रिपोर्ट के अनुसार सीबीडीटी चेयरमैन ने बताया कि यह बहुत संतोष की बात है कि इस बार बजट को इतनी सकारात्मकता से लिया गया है और इतना ही नहीं हमारे करोड़ करदाता खुश हैं। टैक्स में दिया गया पूरा लाभ करीब 1 लाख करोड़ रुपये का है और इस साल का बजट लक्ष्य 22.37 लाख करोड़ रुपये है, तब यह कुल करों का 5 प्रतिशत बनता है। लोगों के हाथ में यह 1 लाख करोड़ रुपये होने का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दिखेगा। व्यापार विकसित होगा। सीबीडीटी चेयरमैन अग्रवाल के मुताबिक, टैक्स छूट के रूप में हमारी ओर से दिया गया पैसा वापस लौटेगा। यह कंपनियों के माध्यम से आएगा, यह व्यापार आय के माध्यम से आएगा, यह वेतन के माध्यम से भी आ सकता है, क्योंकि अगर कंपनियां बढ़ती हैं, तब वेतन भी बढ़ेगा। इस 1 लाख करोड़ रुपये की राहत का सकारात्मक प्रभाव देश की इकानामी पर दिखाई देगा। हम इस साल 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं, क्योंकि इस राहत के कारण बजट लक्ष्य 12.46 प्रतिशत रखा गया है।

दालों में आत्मनिर्भर बनेगा भारत, 2029 तक आयात खत्म करने के लिए 1 हजार करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली। भारत को दालों की आपूर्ती के लिए किसी देश की तरफ नहीं देखना पड़ेगा। 2029 तक दालों के मामले में भारत आत्म निर्भर हो जाएगा। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक हजार करोड़ का प्रावधान किया है। निर्मला सीतारमण ने कहा, हमारी सरकार अब दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए छह साल का मिशन शुरू करेगी। जिसमें तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की दाल की पैदावार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत मुख्य रूप से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान और मलावी से दालों का आयात करता है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य यह है कि साल 2029 तक देश में दालों की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को खत्म करना है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में इस योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

अब एटीएम से बार-बार कैश निकालने वालों को देनी होगी ज्यादा फीस

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) एटीएम से कैश निकालने वाले लोगों के लिए बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। अब एटीएम से कैश निकालना महंगा हो सकता है क्योंकि आरबीआई एटीएम इंटरचेंज फीस और मुफ्त निकासी की सीमा के बाद लगने वाले चार्ज बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रिजर्व बैंक मौजूदा समय में महीने में 5 कैश विथड्रावल फ्री देता था लेकिन अब आरबीआई इन 5 लेनदेन की लिमिट से ज्यादा पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की प्लानिंग कर रहा है। एक रिपोर्ट में जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया गया कि एनपीसीआई ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा चार्ज 21 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए करने की सिफारिश की है। इसके अलावा एनपीसीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की गई है। इंटरचेंज फीस दूसरे बैंक के एटीएम से एक लिमिट के बाद पैसे निकालने पर लगाई जाती है यानी कि यह एटीएम सर्विस इस्तेमाल करने के बदले एक बैंक की तरफ से दूसरे बैंक को दी जाने वाली फीस है।

उतार-चढ़ाव के बीच लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली

मंगलवार की जोरदार तेजी के बाद घरेलू शेयर बाजार में दबाव के साथ कारोबार होता नजर आया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के साथ शुरू किए गए टैरिफ वॉर और आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक के पहले घरेलू शेयर बाजार में निवेशक सतर्क मुद्रा में रहे। के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन दिन के कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में कई बार लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार रिकवरी करने में सफल नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर हेल्थ केयर, मेटल और ऑयल ऐंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, कैपिटल गुड्स, आईटी और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.42 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.12 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 425.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.62 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,105 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,559 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,407 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं

एपीएसईजेड ने जनवरी 2025 में अब तक का सबसे अधिक 39.9 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो हैंडल किए

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने जनवरी 2025 में अब तक का सबसे अधिक 39.9 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो हैंडल किए है। यह पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी अधिक है। उपलब्धि में कंटेनर कार्गो में 32 फीसदी और तरल पदार्थ और गैस में 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी एपीएसईजेड ने दी। अदाणी समूह के प्रमुख बंदरगाह ने जनवरी 2025 में कुल 372.2 एमएमटी कार्गो हैंडल किया। यह सालाना आधार पर 20 फीसदी अधिक है। इसमें तरल पदार्थ और गैस की हैंडलिंग में भी 9 फीसदी की बढ़ोत्तरी है। कंपनी ने बताया कि विभिन्न कार्गो सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन ने अदाणी पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी बंदरगाह के रूप पहचान दिखाई है। इसके अलावा मुंद्रा पोर्ट ने भी जनवरी में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की। कंपनी ने कहा, विभिन्न कार्गो सेगमेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन ने अदाणी पोर्ट को एक अग्रणी वैश्विक बंदरगाह और भारतीय अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में रेखांकित किया है। एपीएसईजेड मुंद्रा ने 17.20 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो का मासिक रिकॉर्ड बनाया, जो समुद्री व्यापार के इतिहास में किसी भी भारतीय बंदरगाह द्वारा अब तक का सबसे अधिक है। इसके पहले का रिकॉर्ड 17.11 मिलियन मीट्रिक टन था, जिसे मुंद्रा पोर्ट ने खुद ही पार किया। कंटेनर कार्गो हैंडलिंग में भी मुंद्रा पोर्ट ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। मुंद्रा पोर्ट ने एक महीने में 7.72 लाख ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट (टीईयू) कंटेनर संभाले, जो पहले के रिकॉर्ड से कई अधिक है। कंपनी के अनुसार, यह उपलब्धि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अदाणी पोर्ट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाती है। मुंद्रा पोर्ट की मरीन टीम ने 415 जहाजों को हैंडल किया, जो पिछले 406 जहाजों के रिकॉर्ड से अधिक है। जहाजों के मूवमेंट के बारे में बताए तब इस बार 884 मूवमेंट दर्ज किए गए, जबकि पिछला रिकॉर्ड 876 था। रेलवे डिवीजन ने भी शानदार प्रदर्शन किया। रेलवे एक महीने में 1.47 लाख टीईयू कंटेनर संभाले, जो पहले के 1.44 लाख टीईयू के रिकॉर्ड से अधिक है। रेलवे टीम ने 682 ट्रेनों को हैंडल कर नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि पहले यह संख्या 662 थी।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार को शुरू हो गई। आरबीआई गवर्नर 5 से 7 फरवरी तक चलने वाली इस बैठक के नतीजे का ऐलान 7 फरवरी करेंगे। रिजर्व बैंक इस बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है।

आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति इस बार रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई की चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आखिरी तीन दिवसीय द्वैमासिक एमपीसी बैठक 5 से 7 फरवरी तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में यह पहली एमपीसी बैठक होगी। जानकारों का कहा है कि रिजर्व बैंक ने फरवरी 2023 से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर रखा है। ऐसे में बजट में आयकर छूट की सीमा बढ़ाने के बार रिजर्व बैंक इस बैठक में रेपो रेट को 0.25 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी कर देगा। वित्त सचिव तुहिन कांत पांडे ने पिछले हफ्ते जारी एक बयान में कहा कि यह समय ब्याज दरों में कटौती के लिए सही है।

क्या होता है रेपो रेट:

रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर रिजर्व बैंक अन्य बैंको को कर्ज देता है। इस दर में कटौती होने से बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की दरें भी घटती हैं।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई की नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट फरवरी, 2023 से 6.50 फीसदी पर बरकरार है। रिजर्व बैंक यदि इस बार 0.25 फीसदी की कटौती करता है, तो यह घटकर 6.25 फीसदी हो जाएगी।

क्रिप्टो की कमाई को छुपाने पर 60 फीसदी टैक्स और 50 फ़ीसदी जुर्माना

2025 के केंद्रीय बजट में क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों को बड़ा झटका लगा है। बजट में क्रिप्टो से होने वाली आय पर मौजूदा टेक्स को बरकरार रखा गया है। क्रिप्टो के ट्रांजैक्शन में सरकार निगाह रखेगी। क्रिप्टो के किसी भी निवेशक ने यदि अपनी जानकारी छुपाई,ऐसी स्थिति पर उनके ऊपर 60 फ़ीसदी टैक्स और 50 फ़ीसदी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है।

भारत में सोने की मांग 2024 में 5 फीसदी बढ़कर 802.8 टन: डब्ल्यूजीसी

डब्ल्यूजीसी का 2025 में सोने की मांग 700-800 टन रहने का है अनुमान

मुंबई/नई दिल्ली

देश में सोने की मांग में दिन-ब-दिन इजाफा हो रहा है। सोने की मांग आयात शुल्क में कटौती, शादी-ब्याह और त्योहारों से संबंधित खरीदारी से 2024 में सालाना आधार पर पांच फीसदी बढ़कर 802.8 टन पर पहुंच गई है। साल 2025 में पीली धातु की खपत 700-800 टन के बीच रहने की संभावना है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2024 में सोने की मांग 802.8 टन रही जबकि 2023 में यह 761 टन थी। सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 31 फीसदी बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया, जो 2023 में 3,92,000 करोड़ रुपये था। डब्ल्यूजीसी की स्वर्ण मांग रुझान 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान मांग 265.8 टन पर स्थिर रही है, जो 2023 की इसी अवधि में 266.2 टन के समान है। आभूषणों की मांग 2024 में दो फीसदी घटकर 563.4 टन रह गई, जो 2023 में 575.8 टन थी। साल 2024 में सोने का आयात चार फीसदी घटकर 712.1 टन रह गया जबकि 2023 में यह 744 टन था। रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्तर पर 2024 में सोने की मांग काफी हद तक स्थिर रही है। यह 2023 की तुलना में एक फीसदी मामूली वृद्धि के साथ 4,974 टन रही। इसकी मुख्य वजह उच्च कीमतें, कमजोर आर्थिक वृद्धि और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद आभूषणों की मांग में गिरावट है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्तर पर 2023 में कुल सोने की मांग 4,945.9 टन रही थी, जो 2024 में 4,974 टन हो गई है। उल्लेखनीय है कि 2024 में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाइयों तक पहुंच गई थी। आभूषण विक्रेताओं व खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच एक दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी में सोना की कीमत 500 रुपये बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इस वर्ष सोना 6,410 रुपये या 8.07 फीसदी चढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र में मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे।

डाउ जॉन्स 134.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,556.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,039.79 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 265.64 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,657.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,497.59 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे सत्र के कारोबार के बाद यहां के बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,570.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,906.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,505.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,841 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 407.70 अंक यानी 1.79 प्रतिशत उछल कर 23,201.66 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,511.91 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,749.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत गिर कर 3,818.95 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 150.52 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,639.44 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत फिसल कर 7,035.19 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत टूट कर 3,238.85 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 1,300.69 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

नारी शक्ति खेलों के माध्यम से भी भारत की अलग पहचान बना रही है : प्रिया अग्रवाल

मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ व ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के तत्वाधान में आयोजित अंडर-15 खेलो इंडिया विमेंस फुटबॉल लीग 2024-25 का आयोजन बुधवार को हुआ। प्रतियोगिता का शुभारम्भ भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने किया।

प्रिया अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से नारी शक्ति दुनिया में भारत की अलग पहचान बना रही है।

इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि डीपीजीएस के निदेशक विंग कमाण्डर मंसूर सिद्दीक़ी, विशिष्ट अतिथि मेक गैस्ट्रो सर्जरी के डॉ. मुहम्मद रियाज़, ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन संभल के सचिव सैयद मुहम्मद शारिक़, ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन अमरोहा के उपाध्यक्ष महताब आलम साहब, बहमन पब्लिक स्कूल सिरसी की निदेशक ताहिरा उज़्ज़मा, प्रधानाचार्य शोभित रस्तोगी, लिटिल एंजेल्स कान्वेंट स्कूल के निदेशक मुसररत हफ़ीज़, सरसय्यद अकेडमी की अध्यक्ष आबिदा बेगम मौजूद रहीं।

प्रतियोगिता का संचालन करते हुए एसोसिएशन के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता मे 6 टीमें प्रीतिभाग कर रहीं हैं। डीपीजीएस, एपीएस, जेडएफए, सरसैयद वेलफेयर सोसाइटी, मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज, बहमन पब्लिक स्कूल की टीमें शामिल रहीं।

पहला मैच डीपीजीएस व एपीएस के मध्य खेला गया। इसमें पहला गोल जेडएफए ने व दूसरा गोल आयेशा ने कर अपनी टीम को 2–0 से जिताया।

दूसरा जेडएफए व मेथोडीस्ट के मध्य खेला गया जिसमे पहला गोल जेडएफए की ओर से अलीना दूसरा गोल निक्की ने किया। तीसरा गोल फलक ने किया, मेथोडिस्ट की ओर से एक मात्र गोल एश्वर्या ने किया। जेडएफए ने ये मैच 3–1 से जीता, आजका तीसरा और आख़री मैच सरसैयद अकादमी व बहमन पब्लिक स्कूल के मध्य खेला गया जिसमे बहमन ने सरसैयद पर आसान जीत दर्ज कर मैच 4–0 से जीता।

न्यूज़ ब्रीफ

करण मिश्रा ने की धुआंधार बल्लेबाजी, इंडियन क्रिकेट क्लब ने जीता मैच

लखनऊ। अंडर–25 करीम चिश्ती मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में इंडियन क्रिकेट क्लब ने लखनऊ हर्टज क्लब को 177 रन से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में इंडियन क्रिकेट क्लब के करण मिश्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 104 बाल खेलकर 166 रन बनाये। इंडियन क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट गवांकर 394 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आकर्ष गुप्ता 25 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं करण मिश्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी की। उन्होंने 104 बाल खेलकर 21 चौका और नौ छक्का की मदद से 104 बाल पर 166 रन बनाये। आशीष तिवारी ने 12 चौका, पांच छक्का की मदद से 64 बाल पर 96 रन का योगदान दिया। जय वर्धन ने 36 रन बनाये। वहीं लखनऊ हर्टज क्लब की पूरी टीम 217 रन बनाकर आउट हो गयी और इंडियन क्रिकेट ने मैच को 177 रन से जीत लिया। लखनऊ हर्टज के सलामी बल्लेबाज कृष्णमित 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं मो. फैज ने अपनी टीम में सर्वाधिक 46 रन बनाया, जबकि ऋषभ ने 43 रन का योगदान दिया ।

छत्तीसगढ़ में छह फरवरी से शुरू होगा लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बलिदानी वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की मेजबानी में लीजेंड 90 लीग टूर्नामेंट का आगाज 6 फरवरी को होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 18 फरवरी तक चलेगा। वहीं आज बुधवार को 6 टीमों के 60 से अधिक खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। आईपीएल की तर्ज पर दर्शकों को ओपनिंग सेरेमनी देखने को मिलेगी, जिसमें तमन्ना भाटिया, आयुष्मान खुराना और हार्डी संधू धमाकेदार परफॉर्मेंस करेंगे। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग में देश–विदेश के दिग्गज क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। आज बुधवार 6 फरवरी से पहले इन टीमों के दिग्गज खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण होगा। इस लीग में शामिल टीमों के नाम, उनके कप्तान और स्टार खिलाड़ी पहले ही चर्चा में आ चुके हैं, और सभी की नजरें इस रोमांचक टूर्नामेंट पर टिकी हुई हैं। वहींलीजेंड 90 लीग के लिए पिच को तैयार किया गया है। मैदान के चारों और लाइट सिस्टम लगाया जा रहा है। लीग टूर्नामेंट से पहले व्यवस्था को बेहतर कर लिया गया है। दर्शकों के बैठने के लिए कई हजार नई सीटें लगाई गई है। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी बेहद खास होगी। इस आयोजन में फिल्म और संगीत जगत के मशहूर सितारे अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस देंगे। बॉलीवुड के स्टार अभिनेता आयुष्मान खुराना, खूबसूरत अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और पंजाबी सिंगर हार्डी संधू इस भव्य आयोजन में परफॉर्म करेंगे।

टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बने राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि मंगलवार रात एसए 20 में एमआई केप टाउन की ओर से खेलते हुए पर्ल रॉयल्स के खिलाफ हासिल की। उन्होंने डुनिथ वेललेज को क्लीन बोल्ड किया और इतिहास में अपना नाम दर्ज करवा लिया। राशिद ने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया, जिनके सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त होने पर इस प्रारूप में 631 विकेट थे। अब राशिद के नाम टी 20 क्रिकेट में 632 विकेट दर्ज हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सुनील नरेन (574), चौथे पर इमरान ताहिर (531), पांचवें पर शाकिब अल हसन (492) और छठे पर आंद्रे रसल (466) हैं। राशिद ने मैच के बाद एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है। अगर आपने मुझसे 10 साल पहले पूछा होता तो मैंने कभी नहीं सोचा होता कि मैं ऐसा कर सकता हूं। जब आप अफगानिस्तान से हों तो तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना गर्व की बात है। शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि राशिद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और द हंड्रेड सहित ब्रावो की तुलना (ब्रावो ने 30, राशिद ने 18) दो–तिहाई से भी कम टीमों के लिए खेला। मंगलवार को एसए 20 क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस की केपटाउन टीम के लिए खेलते हुए और कप्तानी करते हुए राशिद की टीम ने पार्ल रॉयल्स को 39 रनों से हरा दिया।

राष्ट्रीय खेल : लॉन बॉल स्पर्धा के पांचवें दिन झारखंड का दबदबा, दिल्ली और उत्तराखंड ने भी दर्ज की जीत

देहरादून

38वें राष्ट्रीय खेल में लॉन बॉल स्पर्धा के पांचवें दिन बुधवार को कई रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए। झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए, जबकि दिल्ली, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड ने भी खिताबी जीत दर्ज की।

झारखंड का दमदार प्रदर्शन

मेंस पेयर्स के फाइनल में झारखंड ने असम को एकतरफा मुकाबले में 25–04 के बड़े अंतर से हराया।

वहीं, वूमेन फोर्स के फाइनल में भी झारखंड ने पश्चिम बंगाल को 18–08 से मात दी।

इसके अलावा, अंडर–25 गर्ल्स के फाइनल में झारखंड ने असम को 21–20 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

अंडर 25 विमेंस में झारखंड के लिए मैच जीतने के बाद बसंती कुमारी ने कहा, मैच काफी मुश्किल था, लेकिन हमने अच्छा खेल दिखाया और गोल्ड मेडल जीता। उत्तराखंड आकर बहुत अच्छा लगा, हम फिर से यहां आना चाहेंगे।

दिल्ली और पश्चिम बंगाल की जीत

मेंस ट्रिपल्स के खिताबी मुकाबले में दिल्ली ने झारखंड को 25–08 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, वूमेन सिंगल्स के फाइनल में पश्चिम बंगाल की खिलाड़ी ने झारखंड को 21–08 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

उत्तराखंड ने अंडर-25 बॉयज फाइनल में मारी बाजी

अंडर–25 बॉयज कैटेगरी का फाइनल मुकाबला असम और उत्तराखंड के बीच बेहद रोमांचक रहा। उत्तराखंड ने 21–20 के नजदीकी अंतर से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

अंडर 25 मेंस में जीत के बाद उत्तराखंड के उत्कृष्ट द्विवेदी ने कहा, उत्तराखंड पहली बार नेशनल गेम्स में लॉन बॉल खेल रहा है। यह स्वर्ण पदक जीतकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। मेरी जीत का पूरा श्रेय मेरे कोच, सेक्रेटरी जनरल और फेडरेशन के अध्यक्ष जी को जाता है।

राष्ट्रीय खेलः सुरुचि ने जीता स्वर्ण, 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स के फाइनलिस्ट तय

देहरादून। त्रिशूल शूटिंग रेंज में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों के शूटिंग मुकाबलों में देशभर के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। मंगलवार को हुए मुकाबलों में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स पुरुष वर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड प्रमुख आकर्षण रहे। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनलः हरियाणा की सुरुचि बनीं चैंपियन इस स्पर्धा में हरियाणा की सुरुचि ने 245.7 अंकों के शानदार स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके राज्य की ही पलक ने 243.6 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि पंजाब की सिमरनप्रीत कौर ब्रार ने 218.8 अंकों के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स पुरुष वगः फाइनल में पहुंचे ये निशानेबाज इस प्रतियोगिता में 33 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया, जिनमें से शीर्ष आठ खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई। मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 598 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में पहला स्थान हासिल किया। उनके अलावा सर्विसेज के चैन सिंह (594), नीरज कुमार (591), निशान बुढ़ा (589), महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसाले (588), उत्तर प्रदेश के अखिल श्योराण (587), मध्य प्रदेश के गोल्डी गुर्जर (587) और सर्विसेज के गंगा सिंह (587) भी फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

महिला प्रीमियर लीग 2025: गुजरात जायंट्स की कप्तान नियुक्त हुईं एशले गार्डनर

अहमदाबाद

गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सीज़न के लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एशले गार्डनर को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की एक प्रमुख शख्सियत गार्डनर ने 2017 में पदार्पण किया था।

गार्डनर दो बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार विजेता हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थीं।

लीग की शुरुआत से ही गार्डनर गुजरात जायंट्स का अभिन्न हिस्सा रही हैं। डब्ल्यूपीएल के पिछले दो सीज़न में, उन्होंने 324 रन बनाए हैं और 17 विकेट हासिल किए हैं।

गार्डनर ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा,

गुजरात जाइंट्स का कप्तान बनाया जाना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीज़न में इस शानदार समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं। हमारी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों और भरपूर भारतीय प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण है। मैं टीम के साथ काम करने और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं।

टीम के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने गार्डनर के नेतृत्व पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, वह एक शानदार प्रतिस्पर्धी हैं। उनकी खेल जागरूकता, सामरिक कौशल और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें गुजरात जाइंट्स की कप्तानी के लिए आदर्श विकल्प बनाती है। हमें विश्वास है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगी और टीम को एक सफल अभियान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगी।

पिछले सीज़न में टीम का नेतृत्व बेथ मूनी ने किया था। पूर्व कप्तान के बारे में बोलते हुए, क्लिंगर ने कहा, मैं मूनी को उनके अत्यधिक मूल्यवान नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। अब वह विकेटकीपिंग और ओपनिंग बैटिंग लाइनअप पर फोकस कर सकेंगी। वह हमारे समूह की एक प्रमुख लीडर बनी हुई हैं। अदानी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, संजय अडेसरा ने कहा, गार्डनर अपने समर्पण, कौशल और नेतृत्व के साथ गुजरात के दिग्गजों की भावना का प्रतीक हैं। कप्तान के रूप में उनकी नियुक्ति उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली विश्व स्तरीय टीम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है। हमें विश्वास है कि उनकी कप्तानी में टीम डब्ल्यूपीएल में शानदार प्रदर्शन करेगी।

अटलांट और बोलोंगा के बीच हुए फुटबॉल मैच

इटली में अटलांट और बोलोंगा के बीच हुए फुटबॉल मैच में जीत के बाद जश्न मनाती हुई बोलोंगा की टीम।

हरियाणा स्टीलर्स ने कबड्डी खिलाड़ियों के लिए की ओपन ट्रायल की घोषणा, 8 फरवरी को होगा आयोजन

हिसार

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 की चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने युवा और महत्वाकांक्षी कबड्डी खिलाड़ियों के लिए ओपन ट्रायल की घोषणा की है। यह ट्रायल 8 फरवरी 2025 को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के मल्टीपर्पज हॉल में सुबह 8:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राज्य में कबड्डी प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें पेशेवर स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करना है।

युवाओं को मिलेगा सुनहरा मौका

हरियाणा स्टीलर्स की टीम आगामी सीजन के लिए मजबूत और प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों की तलाश में है। इसी उद्देश्य से यह ओपन ट्रायल आयोजित किया जा रहा है, ताकि युवा और होनहार खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह ने इस पहल पर कहा, यह ट्रायल हर उस खिलाड़ी के लिए अवसर है जो हमारे अकादमी और युवा खिलाड़ी कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहता है। हम चाहते हैं कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष हो, जिससे हर योग्य खिलाड़ी को प्रतिभा के आधार पर मौका मिले। हमारा लक्ष्य कबड्डी को बढ़ावा देना और राज्य में एक मजबूत खेल संस्कृति विकसित करना है।

कोच मनप्रीत सिंह ने भी इस अवसर को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम देश के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए उत्सुक हैं। हमारा उद्देश्य ऐसी टीम बनाना है जो भविष्य में कबड्डी में नए कीर्तिमान स्थापित करे।

कबड्डी खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर

हरियाणा स्टीलर्स द्वारा आयोजित यह ओपन ट्रायल उन खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मौका है, जो प्रोफेशनल कबड्डी में अपना करियर बनाना चाहते हैं। यह पहल राज्य में कबड्डी के विकास और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान में कराची, लाहौर और रावलपिंडी तथा संयुक्त अरब अमीरात में दुबई में खेले जाने वाले 8 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए 12 अंपायर एवं तीन मैच रैफरी के नाम की लिस्ट जारी की गई है।

आईसीसी के अनुसार रिचर्ड केटलबोरो, जो 108 पुरुष एकदिवसीय मैचों के अनुभवी हैं और 2017 में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अंपायर थे, उन छह अंपायरों में शामिल हैं जो एक बार फिर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वापसी कर रहे हैं। केटलबोरो के अलावा क्रिस गैफनी, कुमार धर्मसेना, रिचर्ड इलिंगवर्थ, पॉल रीफेल और रॉड टकर, वे अन्य हैं जो 2017 में भी शामिल थे।

केटलबोरो और इलिंगवर्थ ने अहमदाबाद में खेले गए आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में भी अंपायरिंग की थी। इनके साथ माइकल गफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, अहसान रजा, शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, एलेक्स व्हार्फ और जोएल विल्सन भी हैं, जिन्होंने भारत में विश्व कप में अंपायरिंग की थी। डेविड बून, रंजन मदुगले और एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट रेफरी की तीन सदस्यीय टीम में शामिल हैं। बून 2017 के फाइनल में रेफरी थे जबकि पाइक्रॉफ्ट ने भी टूर्नामेंट में रेफरी की भूमिका निभाई थी।

सीन ईजी (आईसीसी वरिष्ठ प्रबंधक–अंपायर्स एंड रेफरीज) ने कहा कि हमें आगामी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मैच अधिकारियों के अपने पैनल की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह एक प्रतिष्ठित टीम है, जिसकी विशेषज्ञता इस हाई–प्रोफाइल टूर्नामेंट में मूल्यवान होगी। हम हमेशा किसी भी आयोजन के लिए सबसे उपयुक्त और योग्य अधिकारियों के नाम की कोशिश करते हैं और हमें विश्वास है कि यह समूह पाकिस्तान और यूएई में होने वाले मैचों में अच्छा काम करेगा। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि उनका टूर्नामेंट यादगार रहेगा।

अंपायर : कुमार धर्मसेना, क्रिस गफ्फनी, माइकल गफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलबोरो, अहसान रजा, पॉल रीफेल, शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, रॉडनी टकर, एलेक्स व्हार्फ, जोएल विल्सन।

मैच रेफरी : डेविड बून, रंजन मदुगले, एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट।

सुंदरता ही नहीं चैतन्यता भी बढ़ाता है सिंदूर

महिलाएं मांग में जिस स्थान पर सिंदूर लगाती है वह स्थान समाधि योग का प्रथम स्थान ब्रह्मरन्ध्र के ठीक ऊपर का भाग होता है। स्त्री के शरीर में यह भाग पुरुष की अपेक्षा विशेष कोमल होता है, अतः उसकी संरक्षा के लिए शास्त्रकारों ने सिंदूर का विधान किया है। सिंदूर में पारा जैसी अलभ्य धातु बहुत मात्रा में होती है। जिससे यह स्त्री के मस्तिष्क को हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है और बाहरी दुष्प्रभाव से बचाता है। सिंदूर महिलाओं के श्रृंगार के साथ ही उनकी सौंदर्य में भी वृद्धि करता है।

फायदेमंद है केले का सेवन

केला स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। रोज एक केला खाना तन-मन को तंदुरुस्त रखता है। केला शुगर और फाइबर का बेहतरीन स्रोत होता है। केले में थाइमिन, नियासिन और फॉलिक एसिड के रूप में विटामिन ए और बी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। साथ ही इसमें पानी की मात्रा 64.3 प्रतिशत, प्रोटीन 1.3 प्रतिशत, कार्बोहाईड्रेट 24.7 प्रतिशत तथा चिकनाई 8.3 प्रतिशत होती है।

नींद नहीं आती तो दूध का सेवन करें

जिन लोगों को नींद नहीं आती, उन्हें सोने से पूर्व एक गिलास दूध पीना चाहिए। यह बात वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुकी है कि नींद लाने में दूध मुख्य भूमिका निभाता है। दूध जब पेट में जाता है तो अतिरिक्त एसिड को शरीर में से खत्म कर नींद लाने में सक्षम होता है। दूध में एमीनो-एसिड लेबपटोफान होता है जो नींद लाने में सहायक है। नींद के लिए गोलियों का प्रयोग हानिकारक है।

कोलस्ट्रोल दूर भगाए ये देसी नुस्खा

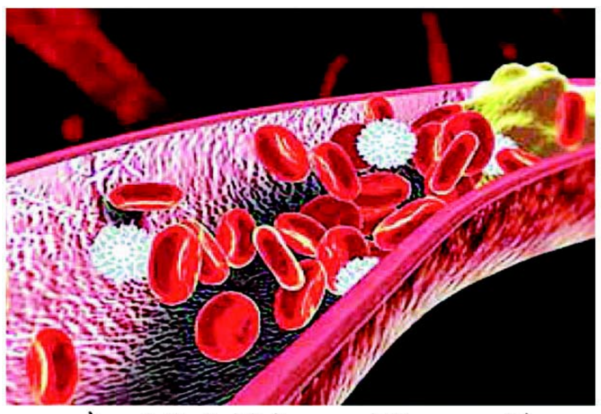

इस दौड़ भरी जिंदगी लोगों के पास अपने लिए समय नहीं है। व्यस्त जीवनशैली में न ही लोग सही समय पर खा रहे हैं न सोते हैं जो आखिकार बिमारियों को बुलावा देता है और आजकल जिस बीमारी ने लोगों को घेरा है वो है कोलस्ट्रोल। कोलस्ट्रोल बढ़ने के कारण हार्टअटैक भी होता है।

आपके घर मैं ऐसे बहुत से लोगो होंगे जिनका वजन व कोलस्ट्रोल बढ़ा हुआ हे। इस बीमारी से निजात पाने के लिए लोग महंगे से महंगा इलाज करवाने से परहेज नहीं करते,हालांकि दवाईयों से कुछ समय तक फर्क तो प?ता ही है लेकिन अगर इसी की जगह पर नानी के नुस्खे अपनाया जाए तो ये फयदेमन्द साबित हो सकता है।

जानिए कोलस्ट्रोल का आयुर्वेदिक इलाज

अदरक - यह खून को पतला करता है। यह दर्द को प्राकृतिक तरीके से 90ब तक कम करता हें।

लहसुन - इसमें मौजूद एलिसन तत्व कोलस्ट्रोल व बी पी को कम करता है। वह हार्ट ब्लॉकेज को खोलता है।

नींबू - इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी व पोटैशियम खून को साफ़ करते हैं। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

एप्पल साइडर सिरका - इसमें 90 प्रकार के तत्व हैं जो शरीर की सारी नसों को खोलते है, पेट साफ़ करते हैं व थकान को मिटाते हैं।

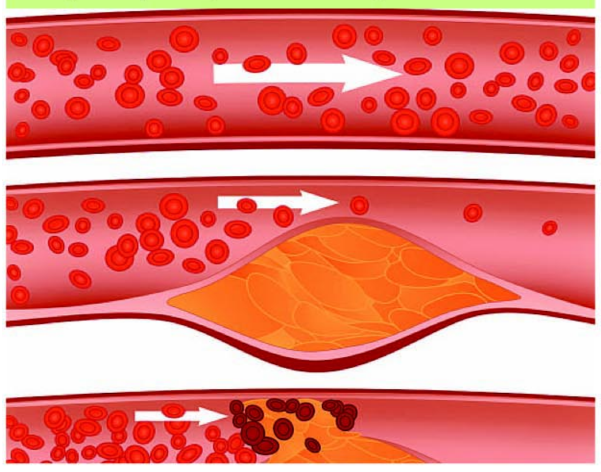

इन देशी दवाओं को इस तरह उपयोग में लें

एक कप नींबू का रस लें,एक कप अदरक का रस लें,एक कप लहसुन का रस लें,एक कप एप्पल का सिरका लें,चारों को मिला कर धीमीं आंच पर गरम करें जब 3 कप रह जाए तो उसे ठण्डा कर लें। अब इस मिश्रण में 3 कप शहद मिला लें। इस दवा के रोज 3 चम्मच सुबह खाली पेट लें जिससे सारी ब्लॉकेज खत्म हो जाएंगी क्यूंकि अगर पेट साफ होगा तो अब सभी बीमारियों से मुक्त।

कहीं आपको तो नहीं 20 की उम्र में 40 की बीमारियां

आज की युवा पीढ़ी हाइपर टेंशन, मानसिक तनाव, एसिडिटी आदि कई समस्याओं से परेशान है। पहले ये समस्याएं 40 साल की उम्र के बाद होती थीं लेकिन अब खराब जीवनशैली के कारण ये समस्याएं 20 वर्ष के युवाओं में भी नजर आने लगी है।

गलत खानपान का असर

आज के युवा स्वाद के चक्कर में पोषक तत्वों से भरपूर खानपान की बजाय कुछ भी उल्टा-सीधा जैसे चिप्स, नूडल्स, मोमोज आदि खाना पसंद करते हैं जो फैट बढ़ाने के साथ-साथ आंतों पर भी भारी पड़ते हैं। इससे पाचनक्रिया गड़बड़ाती है और एसिडिटी, अपच व कब्ज जैसी दिक्कतें होती हैं। अधिक वसायुक्त भोजन से हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। अब भारत में 30 साल से कम उम्र के युवाओं में दिल के दौरों का खतरा तेजी से बढने लगा है। डाइट में संतुलित आहार लें। मौसमी फल जरूर खाएं।

एक्टिविटी की कमी

युवा पीढ़ी शारीरिक एक्टिविटी कम करती है और उनका दिमाग हर समय कुछ न कुछ सोचता रहता है। ऐसे में मनोवैज्ञानिक तनाव होता है। इसका असर पढ़ाई और कॅरियर पर भी पड़ता है। व्यायाम न करने से मोटापा, ब्लड प्रेशर, तनाव और डायबिटीज जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी

समस्याएं भी युवाओं में आम हैं। रोजाना आधे से एक घंटे तक व्यायाम करें। 10 से 15 मिनट का ध्यान तनाव दूर करेगा।

अपर्याप्त नींद से घटती एनर्जी

अनुसंधान बताते हैं कि नींद में गड़बड़ी के कई कारण हैं, पर युवाओं में नींद से जुड़ी समस्याओं का सबसे बड़ा कारण रात में सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करना है। कई युवा रात को सोते समय घंटों अपने फोन में लगे रहते हैं। वाट्सएप या फेसबुक से नींद बाधित होती है। इससे दिमाग स्थिर नहीं रहता और गहरी नींद नहीं आ पाती। नींद पूरी न होने से धीरे-धीरे एनर्जी लेवल गिरता जाता है और चिड़चिड़ापन आता है। आगे चलकर स्थिति तनाव में बदल जाती है। रात को जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने की आदत डालें।

संतुलन बनाएं

युवा पीढ़ी पर नौकरी के दौरान आज काफी दबाव है जिससे उनके व्यक्तित्व में चिड़चिड़ापन व आक्रामकता आ जाती है। जीवन में असंतुलन की वजह से वे जल्द ही हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज से ग्रसित हो जाते हैं।

उन्हें चाहिए कि परिस्थितियों के लिए खुद को पहले से तैयार रखें और किसी भी बात को दिल पर न लें। निजी बातों को दोस्त, साथी या परिवार के किसी सदस्य के साथ जरूर बांटें और बेवजह का तनाव न पालें। इसके अलावा धूम्रपान, शराब व तंबाकू से बचें।

जल्दी हो रहे बूढ़े

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में छपे शोध के अनुसार आजकल कुछ युवा अपनी उम्र से तिगुनी गति से बूढ़े हो रहे हैं जिसकी वजह खराब जीवनशैली के कारण उनमें तेजी से बढ़ रहे किडनी, लिवर व हृदय संबंधी रोग हैं। इन रोगों में कोलेस्ट्रॉल की अधिक मात्रा, दांतों से जुड़ी समस्या, रक्तवाहिनियों का सिकुडना और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी भी शामिल है।

सही प्लानिंग

उम्र के 20वें पड़ाव पर पहुंचते ही युवाओं को जीवन की सही तरह से प्लानिंग शुरू कर देनी चाहिए। जीवन की प्लानिंग करते समय सेहत के पहलू पर भी पूरी तरह ध्यान दें।

इस दौर में युवा माता-पिता का दामन छोड़कर दुनिया का सामना करने के लिए तैयार होते हैं। ऐसे दौर में शरीर में पूरी ऊर्जा होना आवश्यक है।युवाओं को शुरुआत में सब कुछ अच्छा और आकर्षक लगता है लेकिन कई बार बाद में पता लगता है कि वे गलत राह पर हैं।

इसलिए कोई भी बड़ा फैसला लेने के पहले दस बार सोच लेना चाहिए। जीवन की असलियत को समझकर अपने लक्ष्य बनाने चाहिए। तनाव की बजाय सकारात्मक और खुश रहना चाहिए। जरूर से ज्यादा आराम, और जरूरत से ज्यादा काम से भी बचें। लेकिन यदि इन सबके बावजूद आपको रोग सताएं तो डॉक्टरी सलाह भी लें।

एसिडिटी दूर करने के घरेलू और पक्के उपचार

एसिडिटी की परेशानी से बहुत सारे लोग परेशान रहते हैं। यह इस हद तक व्यक्ति को परेशान करती है कि कही जाना, उठना- बैठना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। इसके लिए लोग खाली पेट तरह-तरह की दवाइयां खाते हैं लेकिन आप को बता दें कि ऐसी बहुत सारी घरेलू चीजें हैं जिसकी मदद से एसिडिटीसे राहत मिल सकती है।

चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे ही घरेलू नुस्खे बताते हैं

1. आप मुनक्का के सेवन से भी एसिडिटी से निजात पा सकते हैं। इसके लिए आप को मुनक्का को दूध में उबालकर दूध फिर ठंडा कर इसे ले सकते हैं।
2. एसिडिटी की समस्या तब भी होती है, जब आप भोजन के बीच में अधिक समय का गैप हो जाता है। इसलिए थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ ना कुछ खाते रहें।
3. सलाद में मूली का प्रयोग करें और मूली पर काला नमक तथा कालीमिर्च छिड़ककर खाएं। इससे एसिडिटी में काफी आराम होगा।
4. एसिडिटी की समस्या होने पर एक गिलास ठंडा दूध पी लें, इससे तुरंत ही आराम होगा।
5. गाजर का जूस भी एसिडिटी में काफी फायदेमंद होता है। इसके लगातार इस्तेमाल से एसिडिटी को जड़ से भी ख़त्म किया जा सकता है।
6. 3-4 किशमिश और एक टुकड़ा गुड को एक साथ खाने से एसिडिटी में बहुत जल्दी आराम हो जाता है।
7. रोज सुबह खाली पेट 2-3 तुलसी की पत्ती खाने से भी एसिडिटी में लाभ होता है।
8. केला ,खीरा और नारियल पानी भी एसिडिटी में बहुत ही फायदेमंद साबित होते है।
9. एसिडिटी होने पर कच्ची सौफ को चबाकर खाने से भी एसिडिटी में आराम मिलता है।
10. एसिडिटी की समस्या होने पर 1-2 लौंग को मुंह में रखकर चूसने से भी एसिडिटी में तुरंत ही रहत मिलती है।

आवंले में हैं कई गुण

आंवला प्राकृति का दिया हुआ ऐसा तोहफा है जिससे हमारे शरीर में पनप रही कई सारी बीमारियों का नाश हो सकता है।यदि आपको अच्छी सेहत चाहिए तो आंवला बड़ी काम की चीज है।आंवला में आयरन और विटामिन सी भरा पड़ा होता है।

आइए जानतें है इसके गुण।

- यदि आंवला के रस को रोज शहद के साथ लिया जाए तो अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की बीमारी में लाभ मिल सकता है।
- आवंले के रस को शहद के साथ पीने से खून साफ होता है।
- यदि पीरियड्स के समय ज्यादा ब्लीडिंग होती है तो आमला रस को रोजाना तीन बार केले के साथ लेने से फायदेमंद साबित होता है।
- रोज सुबह आंवला का रस शहद के साथ पीने से चेहरा चमकदार बनता है और झाइंया दूर होती हैं।
- आंवला दिल की मासपेशियों को मजबूत बनाता है और हृदय रोग से दूर रखता है।
- पाइल?स के समय होने वाले कब्ज से आमला का रस राहत दिलाता है।
- रोजाना एक आंवला खाने से आंखों की रौशनी बढाती है।
- आंवला आपके चेहरे पर पैदा होने वाले एक्ने और मुंहासो से निजात दिलाता है।
- मधुमेह रोगियों के लिए आंवला वर्दान है। आमला का जूस शहद और हल्दी पाउडर के साथ पीने से मधुमेह कंट्रोल होता है।

सौंफ के सेहत के लिए ये हैं आश्चर्यजनक फायदे!

खाने के बाद अक्सर सौंफ खाई जाती है। ये सौंफ के दाने अपने में कितने गुण समेटे हुए हैं इसे कम ही लोग जानते होंगे...सौंफ आपकी याददाश्त बढ़ाती है, निगाह तेज करती है, खांसी भगाती है और कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रण में रखती है। सौंफ में कैल्शियम, सोडियम, आयरन, पोटैशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं...

गर्म तासीर वाली सौंफ पेट के अनेक रोगों में फायदेमंद मानी जाती है। आंखों की बीमारियों को दूर करने में सौंफ एक अच्छी औषधि है। जिन्हें रतौंधी की शिकायत है उन्हें सौंफ रोजाना खानी चाहिए। सौंफ(150 ग्राम), मिश्री (300 ग्राम) और बादाम (150ग्राम) को मिक्स करके पाउडर बना लें। इससे आंखों की रोशनी तेज होकर शारीरिक कमजोरी दूर होती है। खांसी, उल्टी, पेटदर्द, कफ आदि के लिए सौंफ खाएं। दो कप पानी में उबली हुई एक चम्मच सौंफ को दो या तीन बार लेने से अपच और कफ की समस्या समाप्त होती है। पेट में दर्द हो तो भुनी हुई सौंफ चबाकर खाएं, दर्द ठीक हो जाएगा। जो लोग कब्ज से परेशान हैं, उनको आधा ग्राम गुलकन्द और सौंफ मिलाकर दूध के साथ रात में सोते समय लेना चाहिए। कब्ज दूर हो जाएगा।

आधा गिलास पानी में सौंफ का चूर्ण मिलाकर दिन में दो-तीन दिन बार पीने से पेशाब की जलन दूर होती है। सौंफ को अंजीर के साथ खाएं और खांसी व ब्रोन्काइटिस को दूर भगाएं। मासिक चक्र को नियमित बनाने के लिए सौंफ को गुड़ के साथ खाएं।

इसे खाने से लीवर ठीक रहता है। यदि आपको खट्टी डकारें आ रही हों तो थोड़ी सी सौंफ पानी में उबालकर मिश्री डालकर पी लें। आराम मिल जाएगा। रोजाना सुबह-शाम खाली सौंफ खाने से खून साफ होता है जो कि त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है, इससे त्वचा में चमक आती है।

दवाओं के दुष्प्रभाव से निपटने के आसान तरीके

दवाएं कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हानिकारक बैक्टीरिया के खिलाफ मुकाबला करने, दर्द से राहत देने और जान बचाने में मदद करती है। दवाएं ऐसे रोगों का भी इलाज करती है जिनका अन्य किसी तरीके से इलाज नहीं हो पाता।

लेकिन अफसोस, दवाओं के उपयोग में एक खामी भी है। दवाएं मानव शरीर के साथ एक नाजुक संतुलन में काम करती हैं, लेकिन इस संतुलन के बिगड़ने पर यह कई प्रकार के साइड इफेक्ट का कारण बन सकती है।

किसे होते हैं साइड इफेक्ट

किसी को भी दवा से साइड इफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन कोई भी एक विशेष दवा आपके लिए साइड इफेक्ट का कारण नहीं हो सकता। यह दवा की खुराक, उम्र, लिंग, वजन और आपके द्वारा ली जाने वाली अन्य दवाओं पर निर्भर करता है। बुजुर्गों में में जवां लोगों की तुलना में साइड इफेक्ट अधिक होने की संभावना होती है। मामूली साइड इफेक्ट होने पर आप यहां दिये उपायों को अपना सकते हैं।

दिन के समय उनींदापन

कुछ दवाओं के कारण दिन में उनींदापन की समस्या भी हो सकती है, लेकिन शरीर द्वारा दवा के आदि होने पर समस्या आमतौर पर अपने आप ही दूर हो जाती है। अगर समस्या काफी दिनों तक ऐसी ही बनी रहती है तो डॉक्टर से पूछ कर दवा रात के समय लें। साथ ही यह भी सलाह दी जाती है कि उनींदापन महसूस होने पर भारी उपकरण न उठाये और ड्राइविंग करने से भी बचें।

साइड इफेक्ट: लगभग सभी प्रकार की दवाओं के साइड इफेक्ट होते है, लेकिन कुछ लोगों को साइड इफेक्ट का पता नहीं लगता वह इन साइड इफेक्ट के साथ आसानी से डील कर लेते हैं। यहां ऐसी कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई है जो आपको पता होनी चाहिए।

कब्ज

कई निर्धारित और काउंटर दवा से कब्ज की समस्या हो सकती है। नियमित रूप से पेनकिलर दवाओं को लेने पर होने वाला यह सबसे आम दुष्प्रभावों में से एक है।

हालांकि, आप ब्रान और होल वीट ग्रेन और हाई फाइबर सब्जियां और फल जैसे बींस, सेब और ब्रोकली के सेवन से इसका इलाज कर सकते हैं। इसके साथ ही तरल पदार्थो को खूब सेवन करें और नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।

डायरिया

लगभग सभी दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में डायरिया की समस्या देखने को मिलती है। हालांकि कीमोथेरेपी के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं जैसे एंटीबॉयोटिक, एंटी-डिप्रेसेंट और एंटासिड डायरिया का कारण बनती है। अगर आपको दवा से डायरिया की समस्या होती है तो अपने आहार में हल्के, फाइबर युक्त जैसे की चावल और दही को शमिल करें। और बेहतर महसूस होने तक मसालेदार और फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से बचें।

सिरदर्द

कई निर्धारित और गैर निर्धारित दवाएं भी सिरदर्द का कारण हो सकती है। हालांकि शरीर को दवा की आदत हो जाने पर सिरदर्द अपने आप दूर हो जाता है। लेकिन अगर समस्या लंबे समय तक बनी रहती हैं तो बिना देर किये अपने डॉक्टर से संपर्क करें। आमतौर पर दवा के लाभ मामूली

साइड इफेक्ट से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि अधिकांश दवाओं के साइड इफेक्ट अक्सर एक समय के बाद अपने आप दूर हो जाते हैं। लेकिन अगर साइड इफेक्ट लंबे समय तक रहते हैं तो आपको खुद से दवाओं को बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने डॉक्टर से इस विषय पर राय लेनी चाहिए। और अगर दवा लेने के बाद पित्ती, चेहरे, होठों और जीभ पर सूजन या सांस लेने में परेशानी महसूस हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जानलेवा बीमारी है ब्लड पॉयजनिंग

ब्लड पायजनिंग के बारे में सुनने पर आपके जहन में ब्लड में जहर आने की कल्पना घूमने लगती होगी। लेकिन वास्तवकिता में इसका जहर के साथ कुछ लेना देना नहीं होता है। यह एक खतरनाक अवस्था है और तत्काल उपचार इससे बचने की कुंजी, इसलिए इसे पूरी तरह से समझना बहुत महत्वपूर्ण है। ब्लड पायजनिंग बैक्टीरिया के कारण होने वाला संक्रमण है जो एक घातक स्थिति है। बहुत सारे मरीज इस अवस्था के निदान में विफल रहते हैं और बहुत लंबे समय तक इसे नजरअंदाज करने के कारण यह समस्या जानलेवा भी हो सकती है। इसलिए इस समस्या के बारे में पता होना जरूरी है ताकी आप बीमारी के बारे में अपने डॉक्टर को सही समय पर सचेत कर सकें।

जानलेवा संक्रमण है ब्लड पॉयजनिंग: ब्लड पॉयजनिंग को सामान्यतः सेप्टिसीमिया या सेप्सिस के रूप में भी जाना जाता है, और यह जानलेवा सक्रमण खून में बैक्टीरिया की उपस्थिति के कारण होता है। बैक्टीरिया के खून में प्रवेश करने पर यह शरीर के किसी भी भाग में संक्रमण पैदा कर ब्लड पॉयजनिंग का कारण बन सकता हैं। इस संक्रमण में व्यक्ति के रक्त में श्वेत रक्त कणिकाओं की संख्या बहुत अधिक हो जाती है।

ब्लड पायजनिंग का निदान: ब्लड पायजनिंग का आत्म निदान मुश्किल होता है। अगर आपको सेप्सिस है तो इसको निर्धारित करने का सबसे अच्छा तरीका तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना होता है।

रेसिपी

मसाला पुरी

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर
1/4 टी-स्पून हींग
1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1 टेबल-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
तेल , तलने के लिए
परोसने के लिए, ताज़ा दही

विधि

सभी सामग्री को एक बाउल में मिलाकर, ज़रुरत हो उतनी मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूथ लें। 15 से 20 के लिए एक तरफ रख दें। आटे को 10 भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को 75 मिमी व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और एक या दो पुरी डालकर, उच्च तापमान पर उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। ताज़े दही के साथ गरमा गरम परोसें।

मूँगफली कढ़ी

सामग्री

1 कप ताज़ा दही, 1 टेबल-स्पून राजगीरा आटा, 1 टी-स्पून घी, 1 टेबल-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून भूना मूंगफली पाउडर, सेंधा नमक , स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून टी-स्पून शक्कर, सजाने के लिये, 1 टी-स्पून बारीक कटा धनिया

परोसने के लिये

मिन्टी सान्वा , कुट्टू की खिचड़ी

विधि

दहीं, राजगीरा आटा और 2 कप पानी को 1 बाउल में डालकर अच्छि तरह से फेंटे। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में घी गरम करें और जीरा डालें। जब वे चटकने लगे, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर 30 सेकन्ड तक मध्यम आंच पर भूनें। मूँगफली पाउडर डालकर 30 सेकन्ड तक मध्यम आँच पर भूनें। दही-राजगीरा आटा का मिश्रण, सेंधा नमक और शक्कर डालकर अच्छि तरह से मिलायें और धिमी आँच पर लगातार हिलाते हुए, 4 से 5 मिनट तक पकायें। धनिया से सजाकर मिन्टी सान्वा/कुट्टू की खिचड़ी के साथ गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**